वर्ष-8 | अंक 52 | 19 अगस्त से 25 अगस्त 2024 तक | पृष्ठ-12 | MPHIN/2015/63623

न्यूज क्राइम फाइल

आमंत्रण मुल्य 15/-

ग्वालियर, भिंड, मुरैना, छतरपुर, सागर, विदिशा, रायसेन, सिवनी, जबलपुर, रीवा, सतना, होशंगाबाद, हरदा एवं इंदौर में प्रसारित।

मिशन मोड में सभी वर्गों के विकास के लिये होगा कार्य

खुशहाल मप्र के लक्ष्य प्राप्ति तक जारी रहेगी विकास यात्रा: मुख्यमंत्री

उदय प्रताप सिंह चौहान

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश ने पिछले वर्षों में प्रगति और विकास के मार्ग पर तेजी से कदम बढ़ाए हैं। समृद्ध, साक्षर, स्वस्थ और खुशहाल मध्यप्रदेश के शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति के लिए शुरू की गई विकास यात्रा निरंतरता जारी रहेगी। राज्य सरकार युवा, महिला, गरीब और किसान भाइयों के विकास और कल्याण के लिए मिशन मोड में कार्य करेगी। प्रदेश में नवीन औद्योगिक इकाइयों को स्थापित करने और निवेश को बढ़ाने के लिये रीजनल इन्वेस्ट समिट का श्रृंखलाबद्ध आयोजन किया जा रहा है। मध्यप्रदेश की खुबियों और यहाँ दी जा रही सुविधाओं से निवेशक आकर्षित हो रहे है। प्रदेश के बाहर के नामी उद्योगपतियों ने राज्य सरकार के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर कर अपनी औद्योगिक इकाइयां स्थापित करने में रूचि दिखाई है। प्रदेश में आने वाले निवेश और उद्योगों से स्थानीय युवाओं को रोजगार मिलेगा, जिससे वे आत्म-निर्भरता की ओर अग्रसर होंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वतंत्रता दिवस पर प्रदेश की जनता के नाम संदेश देते हुए कहा कि विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने में युवाओं की बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका है। युवाओं का संकल्प, मेहनत और सोच ही देश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचायेगी। प्रदेश में शुरू होने वाला युवा शक्ति मिशन युवाओं के भविष्य को उज्ज्वल और सशक्त बनाने का संकल्प है। समय की मांग के अनुसार युवाओं को ए.आई., मशीन लर्निंग और कोडिंग जैसी उभरती तकनीकों की शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार ने 485 करोड़ रुपये का निवेश किया है। प्रदेश के 55 जिलों में पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में बायो-टेक्नालॉजी और कम्प्यूटर सांइस जैसे नए विषयों को जोड़ा गया है। पाठ्यक्रम में 35 नए व्यवसायिक विषयों को भी शामिल किया गया है। युवा अपने कौशल और निखार सकें तथा उन्हें बेहतर व्यवसाय के अवसर प्राप्त हों, इस उद्देश्य से मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना में इन्टर्नशिप को बढ़ावा दिया गया है। योजना में 8 हजार चयनित प्रशिक्षणार्थियों को 6 करोड़ 60 लाख रुपये का स्टायपेंड प्रदान किया गया है। प्रदेश में 22 नई आईटीआई की स्थापना की गई है जिनसे 5 हजार 280 सीटों की बढ़ोतरी होगी। देवास, छिंदवाड़ा व धार में ग्रीन स्किलिंग आईटीआई स्थापित किए गए हैं जहां सोलर टेक्नीशियन और इलेक्ट्रिक व्हीकल मैकेनिक जैसे पाठ्यक्रम उपलब्ध होंगे। नवाचार और उद्यामिता को बढ़ाने के लिए 6 विश्वविद्यालय में इन्क्यूबेशन केंद्र स्थापित किए गए हैं। स्टार्टस्अप को 50 हजार से डेढ़ लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता दी जा रही है। यह कदम युवाओं के नवाचार को प्रोत्साहित करने के साथ ही औद्योगिक जगत की समसामयिक आवश्यकतानुसार रोजगार उपलब्ध कराने और उद्यमित्ता के क्षेत्र में नए आयाम उपलब्ध कराने में मदद करेंगे।

मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि जब तक समाज के सबसे निचले पायदान पर खड़े व्यक्ति का कल्याण नहीं होगा, जब तक प्रदेश में गरीब और कमजोर वर्गों के युवाओं के जीवन में एक नया अध्याय लिखने का संकल्प लिया गया है। यह मिशन समाज के सबसे वंचित तबके को सशक्त और समर्थ बनाने के लिए समर्पित है। गरीब कल्याण मिशन, स्व-रोजगार योजनाओं में सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, आवास, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधा की दिशा में कार्य करेगा। गरीब व्यक्ति को गरीबी के चक्रव्यूह से निकाल कर सम्मानित और सुरक्षित जीवन प्रदान करना हमारा ध्येय है। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि गरीबों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण में 7 लाख मकानों तथा शहरी क्षेत्र में 7 लाख 51 हजार आवासों का निर्माण पूर्ण किया जा चुका है।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना और निकाह सहायता योजना में वर्ष 2023-24 में 62 हजार 583 कन्याओं के विवाह के लिए सहायता राशि दी गई। समाज के वरिष्ठजन, दिव्यांगजन, निराश्रितों और कल्याणी बहनों को प्रत्येक माह 600 रूपए दिए जा रहे हैं। बीते वर्ष 34 हजार दिव्यांगों को 43 करोड़ 80 लाख रूपए लागत के 66 हजार से अधिक कृत्रिम अंग लगवाए गए हैं। गरीब कल्याण की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए पूरी तत्परता से कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार बहनों के समग्र सशक्तिकरण के लिये दृढ़ संकल्पित है। प्रदेश में शुरू किये जा रहे नारी सशक्तिकरण मिशन से महिलाओं को समानता के अवसर, सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित किया जायेगा। साथ ही बालिका शिक्षा, लाड़ली लक्ष्मी योजना, लाड़ली बहना योजना, लखपति दीदी योजना, महिला स्व-सहायता समूहों के कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता से किए जाएंगे। सरकार बहनों के लिए उद्यमिता और कौशल विकास के अवसर भी उपलब्ध करायेगी। महिलाओं के विरूद्ध अपराधों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति को सख्ती से लागू किया जा रहा है। महिला स्व-सहायता समूहों को 9 हजार 560 करोड़ रूप से अधिक की सहायता उपलब्ध कराई गई है। लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत बहनों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के उद्देश्य से एक करोड़ 29 लाख बहनों के खातों में विगत आठ माह में 11 हजार करोड़ रूपए से अधिक की राशि अंतरित की जा चुकी है। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर हर बहन के खाते में 250 रूपए की अतिरिक्त राशि जारी की गई। प्रदेश में लगभग 90 लाख बहनों उज्जवला गैस कनेक्शन दिया गया है। प्रदेश की 45 लाख 89 हजार बहनों को 450 रूपए में गैस सिलेंडर की रिफलिंग कराने के लिए 118 करोड़ रूपए की राशि उनके खातो में अंतरित की गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसान भाइयों और बहनों के जीवन को बेहतर बनाने और उनकी उपज को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धात्मक बनाते हुए कृषि और उद्यानिकी को लाभ का व्यवसाय बनाने का काम राज्य सरकार कर रही है। इसके लिये प्रदेश में किसान कल्याण मिशन शुरू किया जा रहा है। मिशन में किसानों को राहत और कृषि की पैदावार बढ़ाने की दिशा में ठोस प्रयास होंगे। किसानों की उपज की गुणवत्ता को सुधारने के लिए आधुनिक तकनीकी साधनों के उपयोग को बढ़ावा दिया जाएगा। सिंचाई की क्षमता बढ़ाने और प्राकृतिक खेती के प्रोत्साहन पर ध्यान केन्द्रित किया जाएगा। आईटी और एआई जैसी आधुनिक तकनीकों के उपयोग, मिट्टी परीक्षण में कृषि स्नातक युवाओं के साथ पार्टनरशिप में कार्य के लिए नीति बनाई गई है। कृषि प्र-संस्करण उद्योगों का जाल बिछाकर स्थानीय स्तर पर ही कृषि उपज का मूल्य संवर्धन करने की दिशा में तेजी से काम किया जाएगा।

भिंड में स्कूली छात्रा से बेड टच: भिंड शहर के एक स्कूल में पढ़ने वाली कक्षा तीसरी की छात्रा से बस ड्राइवर ने छेड़छाड़ की है। पीड़ित छात्रा ने इस बात की जानकारी परिजनों को दी। इसके बाद छात्रा की मां ने देहात थाना पहुंचकर मुकदमा दर्ज कराया। टीआई मुकेश शाक्य के मुताबिक 2 रोज पहले कक्षा तीसरी की छात्रा जब वापस बस में बैठकर घर आ रही थी।

पूर्व सीएम दिग्विजय और पुलिस कमिश्नर के बीच ट्विटर वॉर

पूर्व मंत्री घर चोरी का खुलासा, सीपी का जवाब- थानों में पोस्टिंग की बोली के आरोप निराधार

संजीव कुमार

पूर्व सीएम दिग्विजय के विधायक बेटे जयवर्धन सिंह के चार इमली स्थित बंगले पर 14 अगस्त को चोरी हो गई। शिकायत के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने पड़ताल की। सीसीटीवी फुटेज और संदेहियों के मोबाइल लोकेशन के आधार पर पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। एक आरोपी फरार बताया जा रहा है। चोरी गए 15 हजार के कैश को पुलिस ने जब्त कर लिया है। आरोपियों ने एक दर्जन अन्य चोरी की वारदातों को अंजाम देने की बात स्वीकार की है। हालांकि आरोपियों के कब्जे से केवल दो चोरियों का ही माल बरामद किया जा सका है। इधर, बेटे के सरकारी आवास में चोरी की वारदात के बाद पूर्व सीएम ने पुलिस कमिश्नर भोपाल के खिलाफ ट्वीट किया था। इसमें सीपी पर थानों की बोली के आधार पर प्रभारियों को तैनात किए जाने की बात लिखी थी। अब चोरी का खुलासा होते ही पुलिस कमिश्नर हरिनारायण चारी मिश्र ने दिग्विजय के ट्वीट पर रिप्लाई करते हुए उनके आरोपों को निराधार और दुर्भावनापूर्ण बताया है। साथ ही, उन्हें मामले का खुलासा किए जाने की जानकारी दी है।

सीसीटीवी फुटेज में दिखे संदिग्ध

हबीबगंज थाने के थाना प्रभारी अजय कुमार सोनी ने कहा कि चोरी की जानकारी लगते ही टीम पहुंच गई थी। फोरेंसिक साइंस लैब की टीम भी पहुंची। टीम ने घटनास्थल से फिंगर प्रिंट भी लिए। कुछ सीसीटीवी फुटेज हमारे पास थे। उसमें तीन संदिग्ध लोग दिखाई दिए। उनकी पहचान कर मोबाइल लोकेशन के आधार पर आरोपियों को हिरासत में लिया। यह चोरी पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह के सरकारी आवास में बने ऑफिस में हुई थी। टीआई ने महज 15 हजार कैश चोरी जाने की पुष्टि की थी। इसके अलावा और कोई सामान चोरी नहीं हुआ था। गिरफ्तार आरोपियों को कोर्ट के आदेश पर रिमांड पर लेकर पूछताछ की जाएगी। मामले का एक आरोपी फरार है। उसकी तलाश की जा रही है।

दिग्विजय बोले- थाने की पोस्टिंग की बोली लगती है, तो यही होगा

विधायक बेटे जयवर्धन सिंह के बंगले पर चोरी की वारदात के बाद दिग्विजय सिंह ने सरकार को निशाने पर लिया है। राघौगढ़ से कांग्रेस विधायक जयवर्धन सिंह चार इमली स्थित डी-21 बंगले में रहते हैं। उनका सरकारी बंगला सीबीआई दफ्तर से महज 100 मीटर दूर है। ऐसे में भी चोरों ने वारदात को अंजाम दिया।

वारदात के बाद पुलिस की गश्ती पर सवाल उठे

चोरी की इस वारदात के बाद पुलिस की गश्ती पर सवाल उठ रहे हैं, क्योंकि जिस इलाके में चोरी हुई है, यहां मंत्रियों से लेकर कई बड़े अधिकारी रहते हैं। सबसे ज्यादा वीवीआईपी इलाकों में चार इमली क्षेत्र गिना जाता है।

ये आरोपी हुए गिरफ्तार

अंकित गुजरे पिता बाबू गुजरे (23) निवासी बालाजी नगर फेस 2 नीलबड़

दीपक मण्डल पिता सनातन मण्डल (30) निवासी म.नं. 634 विश्वकर्मा नगर हबीबगंज

फरार आरोपी- विजय डिंडोरिया पिता मुकेश डिंडोरिया (19) निवासी म.नं. 191 वास्तु विहार कालोनी रातीबड़ तीनों आरोपियों के खिलाफ पूर्व में चोरी नकबजनी सहित मारपीट के अपराध दर्ज हैं।

इसी इलाके में पहले भी हो चुकी चोरियां

16 अगस्त 2020 - चीफ पोस्ट मास्टर जनरल मध्यप्रदेश जितेन्द्र गुप्ता के घर चोरी हुई थी। चोर घर में खिड़की की ग्रिल तोड़कर घुसे थे। 30 जुलाई 2024 - एक सीनियर अधिकारी के घर से महंगा बुल डॉग चोरी हो गया था। इस मामले में केस दर्ज नहीं कराया गया था।

ज्वेलरी शॉप में घुसकर जेवरात लूट का मामला

फुटेज के आधार पर संदेही जीजा-साले हिरासत में लिए गए

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल में दो बदमाशों ने एक ज्वेलरी शॉप से सोने-चांदी के गहने और कैश लूट लिए थे। हेलमेट पहने बदमाशों ने दुकानदार को कट्टा दिखाकर डराया। इसके बाद वहां रखी चांदी की राखियां, जेवर और नकदी लेकर भाग निकले। वारदात बाग सेवनिया थाना क्षेत्र में मंगलवार रात करीब 10 बजे की है। लूट की ये वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। जिसमें दो आरोपी हेलमेट पहने दुकान में घुसते दिख रहे हैं। दुकानदार को पिस्टल की नोंक पर धमकाया। तिजोरी और दराज में रखे नकदी और जेवर बैग में भर लिए। इसके बाद धमकी देते हुए भाग गए। आरोपी करीब 7 मिनट तक दुकान में रहे। फुटेज के आधार पर पुलिस ने घटना स्थल से करीब चार सौ मीटर की दूरी पर किराए के कमरे में रहने वाले साले और बहनोई को हिरासत में लिया है। दोनों मूल रूप से रायसेन जिले के मंडीदीप के रहने वाले हैं। पुलिस को

गुमराह करने दोनों संदेही पहले मंडीदीप पहुंचे, वहां से वाहन को बदलने के बाद नर्मदापुरम गए। 350 से अधिक सीसीटीवी कैमरों चेक कर पुलिस दोनों संदेहियों का पीछा करते नर्मदापुरम तक पहुंची और उन्हें हिरासत में ले लिया। लूटे गए माल के संबंध में दोनों से पूछताछ की जा रही है। पूरी वारदात में अन्य दो व्यक्तियों की भूमिका भी संदिग्ध है। दोनों पर वारदात के समय बाहर निगरानी करने का संदेह है। इनकी भी तलाश की जा रही है। जल्द पुलिस पूरे मामले का खुलासा करेगी। रचना नगर के रहने वाले मनोज चौहान की कृष्णा आर्केड में एसएस ज्वेलर्स के नाम से दुकान है। रात करीब 10 बजे वह दुकान बंदकर घर जाने की तैयारी में थे। इसी दौरान बदमाश दुकान में घुसे। मनोज के सीने पर कट्टा अड़ाकर कहा- जो भी नकदी है, वह निकाल दो।

आरोपियों पर 30 हजार का इनाम है घोषित

पुलिस ने आरोपियों पर 30 हजार रुपए के इनाम का ऐलान किया था। पुलिस सीसीटीवी फुटेज और दुकानदार के बयानों के आधार पर लुटेरों की तलाश कर रही है। घटना के समय आसपास मौजूद आधा दर्जन संदेहियों से पूछताछ कर चुकी हैं।

लूटे गए सोने की कीमत का खुलासा नहीं

आरोपी करीब ढाई किलो चांदी के जेवरात सहित सोने के जेवरात लेकर भागे थे। पुलिस का कहना है कि फरियादी की ओर से अब भी लूटे गए सोने की लिस्ट नहीं सौंपी गई है। सूत्रों की माने तो आरोपी 50 तोला से अधिक सोना लेकर भागे हैं।

कालभैरव मंदिर में श्रद्धालु को मारे बेल्ट, डंडे: उज्जैन के काल भैरव मंदिर में चार गार्ड्स ने मिलकर श्रद्धालु को जमकर बेल्ट और डंडे मारे। आरोप है कि नशे में धुत होकर युवक महिला श्रद्धालुओं को परेशान कर रहा था। महिलाओं ने उसकी शिकायत कर दी। घटना शुक्रवार दोपहर करीब 3:30 बजे की है। इसका वीडियो शनिवार को सामने आया।

मोहन यादव सरकार ने 8 महीने में बदले 32 कलेक्टर

विदिशा में बुद्धेश और शहडोल में तरुण साढ़े चार महीने ही कर पाए कलेक्टरी

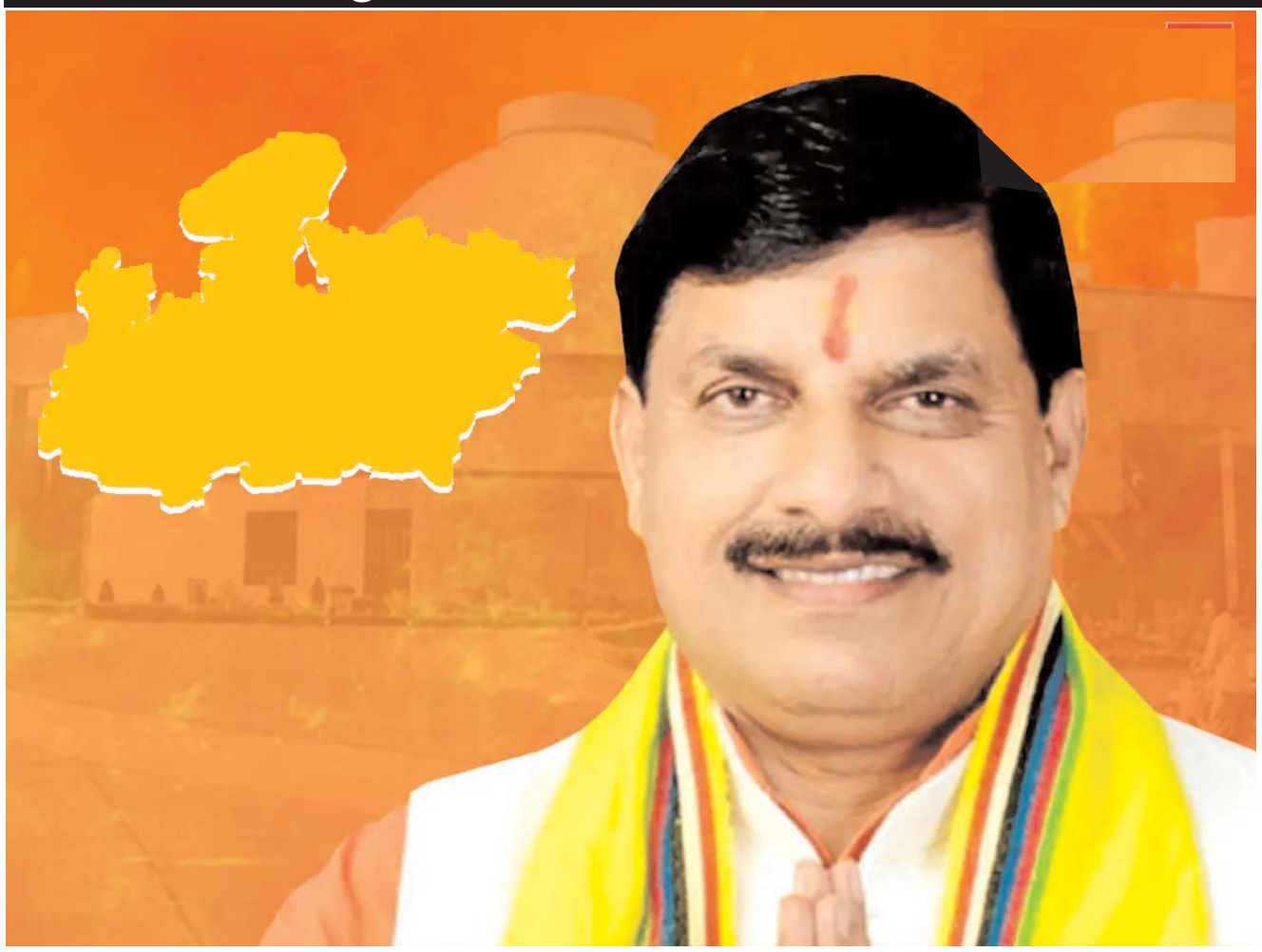

न्यूज क्राइम फाइल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की 8 माह की सरकार में विदिशा और शहडोल जिले में दो-दो कलेक्टर पदस्थ हो चुके हैं। इन दोनों ही जिलों के कलेक्टर महज साढ़े चार माह का कार्यकाल पूरा कर पाए। इसके पहले गुना जिले में तीन बदले जा चुके हैं। इसके अलावा इसी अवधि में चंबल, ग्वालियर, रीवा में भी दो-दो संभागायुक्तों की पदस्थापना की गई है। विधानसभा चुनाव के पहले जिलों में पदस्थ किए गए कलेक्टरों में से अब तक 32 कलेक्टर बदले जा चुके हैं। जो कलेक्टर बीजेपी की नई सरकार बनने के बाद नहीं बदले हैं, उनमें धार, खरगोन, बड़वानी, अलीराजपुर, खंडवा, बुरहानपुर, देवास, आगर मालवा, शिवपुरी, अशोकनगर, दतिया, मुरैना, भिंड, रीवा, सतना, मऊगंज, मैहर, टीकमगढ़, निवाड़ी, सीहोर, रायसेन और पांढुर्णा शामिल हैं। इस बीच प्रशासनिक हल्के में कलेक्टरों की एक और सूची जल्दी ही जारी होने के संकेत दिए जा रहे हैं जिसमें आधा दर्जन जिलों के कलेक्टर प्रभावित हो सकते हैं।

शहडोल और विदिशा में भी जल्दी कलेक्टरों को हटाया

शहडोल और विदिशा कलेक्टरों की पोस्टिंग और हटाने की कार्यवाही जल्दी हुई है। लोकसभा चुनाव की आचार संहिता लगने के पहले 9 मार्च को जारी आदेश में विदिशा कलेक्टर उमाशंकर भार्गव को हटाया गया और उनके स्थान पर उमरिया कलेक्टर बुद्धेश वैद्य को विदिशा पदस्थ किया गया। इसी दौरान शहडोल कलेक्टर वंदना वैद्य को हटाकर 14 मार्च को तरुण भटनागर को शहडोल कलेक्टर बनाया गया। अब विदिशा और शहडोल दोनों ही जिलों के कलेक्टरों को 10 अगस्त की आधी रात के बाद जारी आदेश में हटा दिया गया है। दोनों ही अधिकारी साढ़े चार माह तक जिलों में कलेक्टर रहे हैं।

गुना में ऐसे चली कलेक्टरों को बदलने की प्रक्रिया

मोहन यादव सरकार की शपथ के समय गुना कलेक्टर तरुण राठी थे। 27 दिसम्बर की रात गुना जिले में बस में आग लगने पर यात्रियों के जलने के बाद कलेक्टर तरुण राठी को हटा दिया गया। इसके बाद बैतूल कलेक्टर अमनबीर सिंह बैंस को गुना की जिम्मेदारी सौंपी गई। अमनबीर की पोस्टिंग के दौरान केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने एक कार्यक्रम के दौरान एसपी और कलेक्टर दोनों को सामूहिक रूप से डांट लगाई थी जिस पर बैंस ने वहां से हटने के प्रयास शुरू कर दिए और बाद में यहां सतेंद्र सिंह नए कलेक्टर 14 मार्च को जारी आदेश में बने। अमनबीर यहां ढाई माह कलेक्टर रहे।

मोहन सरकार बनने के बाद कलेक्टरों की पोस्टिंग

■28 दिसंबर को गुना से तरुण राठी बने, 31 दिसम्बर को अमनबीर सिंह बैंस गुना कलेक्टर बने।

■31 दिसंबर को नीरज कुमार सिंह उज्जैन, नरेंद्र सूर्यवंशी बैतूल, सोनिया मीना नर्मदापुरम कलेक्टर बने।

■3 जनवरी को किशोर कान्याल शाजापुर से हटे, रिजु बाफना शाजापुर की नई कलेक्टर बनीं।

■4 जनवरी को दीपक सक्सेना जबलपुर, शीतला पटले नरसिंहपुर कलेक्टर बने।

■5 जनवरी को कौशलेंद्र विक्रम सिंह भोपाल और आशीष सिंह इंदौर कलेक्टर बने।

■7 फरवरी को हरदा कलेक्टर ऋषि गर्ग हटे और 8 फरवरी को आदित्य सिंह हरदा कलेक्टर बने।

■8 फरवरी को शीलेंद्र सिंह छिंदवाड़ा कलेक्टर बने।

■19 फरवरी को संजय कुमार श्योपुर कलेक्टर से हटे और 29 फरवरी को लोकेश जांगिड़ श्योपुर कलेक्टर बने।

■9 मार्च को रतलाम में राजेश बाथम, स्वरोचिष सोमवंशी सीधी, धरणेंद्र जैन उमरिया, सुधीर कोचर दमोह, नेहा मीना झाबुआ, बुद्धेश वैद्य विदिशा कलेक्टर बने।

■10 मार्च को रुचिका चौहान ग्वालियर कलेक्टर बनीं।

■14 मार्च को सतेंद्र सिंह गुना, सुरेश कुमार पन्ना, तरुण भटनागर शहडोल, चंद्रशेखर शुक्ला सिंगरौली कलेक्टर बने।

■23 जून को सिवनी कलेक्टर क्षितिज सिंघल हटे, संस्कृति जैन नई कलेक्टर बनीं।

■23 जुलाई को कटनी कलेक्टर दिलीप यादव, मंदसौर कलेक्टर अदिति गर्ग बने।

■10 अगस्त को केदार सिंह शहडोल, सोमेश मिश्रा मंडला, गिरीश मिश्रा राजगढ़, रोशन कुमार सिंह विदिशा, मृणाल मीना बालाघाट, हर्ष सिंह डिंडोरी, हर्षल पंचोली अनूपपुर और हिमांशु चंद्रा नीमच कलेक्टर बने।

यहां के कमिश्नर भी बदले

■10 जनवरी को रीवा कमिश्नर अनिल सुचारी को हटाकर गोपाल चंद्र डाड को रीवा कमिश्नर बनाया गया। अब बीएस जामोद रीवा और शहडोल संभागायुक्त हैं।

■इसी तरह ग्वालियर कमिश्नर से चंबल कमिश्नर का अतिरिक्त प्रभार हटाते हुए 10 मार्च को संजीव कुमार झा को चंबल कमिश्नर बनाया गया।

■इसी दिन ग्वालियर कमिश्नर डॉ. सुदाम खाड़े और इंदौर कमिश्नर दीपक सिंह, शहडोल कमिश्नर बीएस जामोद बनाए गए।

■14 मार्च को संजय गुप्ता उज्जैन कमिश्नर बने हैं।

■ग्वालियर से डॉ. सुदाम खाड़े के स्थान पर पिछले माह ग्वालियर कमिश्नर बने मनोज खत्री को चंबल संभाग का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया।

■10 अगस्त को जारी आदेश में चंबल संभाग आयुक्त संजीव झा को हटा दिया गया।

तेज बारिश के बीच मोहना में मकान गिरा: ग्वालियर अंचल में हो रही बारिश के कारण एक मकान गिर गया और मकान में पति-पत्नी और बच्चों सहित पांच लोग दब गए। घटना मोहना थाना क्षेत्र के ककेटो की है। घटना का पता चलते ही पुलिस और आस-पास के लोग मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू कर मकान में दबे लोगों को बाहर निकाला।

आलेख

अंततः अखंड भारत का सपना होगा साकार

प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी 15 अगस्त 2024 को पूरे भारतवर्ष में 77वां स्वतंत्रता दिवस बहुत ही धूम धाम से मनाया गया। दरअसल, भारतीय नागरिक 15 अगस्त 1947 के पूर्व अंग्रेजों के शासन के अंतर्गत पराधीन थे एवं 15 अगस्त 1947 को अंग्रेजों के शासन से मुक्त होकर भारतीय नागरिक स्वाधीन हुए। इसलिए इस पर्व को स्वाधीनता दिवस कहना अधिक तर्कसंगत होगा। स्वतंत्र शब्द दो शब्दों से मिलाकर बना है (1) स्व; एवं (2) तंत्र। अर्थात स्वयं का तंत्र, इसलिए स्वतंत्रता दिवस कहना तो तभी न्यायोचित होगा जब स्वयं का तंत्र स्थापित हो। भारत के नागरिकों में आज ‘स्व’ के भाव के प्रति जागृति तो दिखाई देने लगी है और वे ‘भारत के हित सर्वोपरि हैं’ की चर्चा करने लगे हैं। परंतु, भारत में तंत्र अभी भी मां भारती के प्रति समर्पित भाव से कार्य करता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है, जिससे कभी कभी असामाजिक तत्व अपने भारत विरोधी एजेंडा पर कार्य करते हुए दिखाई दे जाते हैं और भारत के विभिन्न समाजों में अशांति फैलाने में सफल हो जाते हैं। स्व के तंत्र के स्थापित होने से आशय यह है कि देश में हिंदू सनातन संस्कृति का अनुपालन सुनिश्चित हो। प्राचीन काल में भारत विश्व गुरु था। आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक क्षेत्रों सहित लगभग समस्त क्षेत्रों में भारतीय सनातन संस्कृति का दबदबा था। भारत को उस खंडकाल में सोने की चिड़िया कहा जाता था। भारत के विश्वविद्यालयों में शिक्षा ग्रहण करने के उद्देश्य से पूरे विश्व से विद्यार्थी भारत में आते थे। भारत पर शक, हूण, कुषाण एवं यवन के आक्रमण हुए, परंतु भारत पर उनके कुछ समय के शासन के पश्चात वे भारतीय सनातन संस्कृति में ही रच बस गए एवं भारत का हिस्सा बन गए। परंतु, अरब के देशों से मुसलमान एवं ब्रिटेन से अंग्रेजों के भारत पर चले शासन के दौरान उन्होंने भारतीय नागरिकों का बलात धर्म परिवर्तन करवाया, स्थानीय नागरिकों पर अकल्पनीय अत्याचार किए। भारत के बड़े बड़े प्रतिष्ठानों, मंदिरों एवं ज्ञान के स्थानों को नष्ट किया। अंग्रेजों ने तो भारतीय नागरिकों के साथ छल कपट करते हुए यह भ्रम फैलाया कि अंग्रेजों ने ही भारतीय नागरिकों को जीना सिखाया है अन्यथा भारतीय समाज तो असभ्य, अनपढ़ गंवार था। उन्होंने भारतीय सनातन संस्कृति पर गहरी चोट की। वे भारतीयों में हीन भावना भरने में सफल रहे। भारत की प्राचीन शिक्षा पद्धति को नष्ट किया। गुरुकुल नष्ट किए। अंग्रेजों को नौकर चाहिए थे अतः तात्कालिक शिक्षा प्रणाली में आमूलचूल परिवर्तन किए। इसी प्रकार की शिक्षा प्रणाली देश में आज भी चल रही है, जिसके अंतर्गत शिक्षित भारतीय केवल नौकरी करने के लिए ही उतावले नजर आते हैं। वे अपना स्वयं का व्यवसाय स्थापित करने के प्रति रुचि ही प्रकट नहीं करते हैं। भारत में उद्योगपति अपने परिवार की विरासत से ही निकले हैं। भारत को आक्रांताओं एवं अंग्रेजों के शासन से मुक्त कराने के उद्देश्य से समय समय पर भारत के तत्कालीन राज्यों के शासकों ने युद्ध भी लड़े एवं अपने स्तर पर उस खंडकाल में सफलता भी अर्जित की। जैसे, शिवाजी महाराज, महाराणा प्रताप, राणा सांगा आदि के नाम मुख्य रूप से लिए जा सकते हैं। इसी प्रकार, अंगेजों के विरुद्ध लड़ाई लड़ने वाले वीर क्रांतिकारियों में रानी लक्ष्मीबाई, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद के नाम सहज रूप से लिए जा सकते हैं। स्वाधीनता प्राप्ति के उद्देश्य को लेकर मशाल आगे लेकर चलने वाले कई योद्धाओं में महात्मा गांधी, सरदार पटेल एवं सुभाषचंद्र बोस भी शामिल रहे हैं। इसी समय में विवेकानंद एवं डॉक्टर हेडगेवार ने भी सांस्कृतिक चिंतक के रूप में अपनी भूमिका का निर्वहन

सफलतापूर्वक किया था। इस प्रकार, अंततः भारत को 15 अगस्त 1947 को अंग्रेजों के शासन से मुक्ति मिली एवं भारतीय नागरिकों को स्वाधीनता प्राप्त हुई। भारत के लिए यह एक नई सुबह तो थी परंतु यह साथ में विभाजन की त्रासदी भी लेकर आई थी। पूर्व एवं पश्चिमी पाकिस्तान के रूप में एक नए देश ने भी जन्म लिया और इस दौरान करोड़ों नागरिकों ने अपनी जान गवाईं थी। आखिर भारत का विभाजन हुआ क्यों? यदि इस विषय पर विचार किया जाय तो ध्यान में आता है कि दरअसल अंग्रेजों ने यह भ्रम फैलाया कि भारत में आर्य बाहर से आए हैं और इस प्रकार वे भारतीय नागरिकों में मतभेद पैदा करने में सफल हुए। साथ ही, उन्हें भारतीय नागरिकों में यह भाव पैदा करने में भी सफलता मिली कि भारत एक भौगोलिक इकाई है एवं यह कई राज्यों को मिलाकर एक देश बना है जबकि राष्ट्र एक सांस्कृतिक इकाई होती है न कि भौगोलिक इकाई। उस खंडकाल विशेष में अंग्रेजों द्वारा भारत में किया गया मुस्लिम तुष्टिकरण भी भारत के विभाजन के लिए जिम्मेदार है। राष्ट्रवादी मुसलमानों की उपेक्षा की गई थी एवं उस समय की जनभावना को बिलकुल ही नकार दिया गया था, इसके उदाहरण के रूप में ‘वन्दे मातरम’ कहने पर अंकुश लगाना एवं राष्ट्रीय ध्वज के रूप में भगवा ध्वज को स्वीकार नहीं करना, का वर्णन किया जा सकता है। और फिर, उस समय विशेष पर भारत का नेतृत्व भी मजबूत हाथों में नहीं था। उक्त कई कारणों के चलते भारत को विभाजन की विभीषिका को झेलना पड़ा था और करोड़ों नागरिक इससे बहुत बुरी तरह से प्रभावित हुए थे। वैसे तो भारत को पूर्व में भी खंडित किया जाता रहा है परंतु वर्ष 1947 में हुआ विभाजन सबसे अधिक वीभत्स रहा है। वर्ष 1937 में म्यांमार भारत से अलग हुआ था, वर्ष 1914 में तिब्बत को भारत से अलग कर दिया गया था, वर्ष 1906 में भूटान एवं वर्ष 1904 में नेपाल को भारत से अलग कर दो नए देश बना दिये गए थे एवं वर्ष 1876 में अफगानिस्तान ने नए देश के रूप में जन्म लिया था। यह सभी विभाजन भारत को पावन भूमि को विखंडित करते हुए सम्पन्न हुए थे।

संपादकीय

आखिर कैसी देश की आजादी के पक्षधर हैं हम ?

15 अगस्त का दिन प्रत्येक भारतवासी के लिए गौरव का दिन है क्योंकि इसी दिन भारत को अंग्रेजों की दासता से मुक्ति मिली थी। स्वतंत्रता दिवस को लेकर देश के प्रत्येक नागरिक के दिलोदिमाग में एक अलग ही जज्बा और उत्साह समाहित रहता है। हालांकि वर्षों की गुलामी के बाद गुलामी की इन जंजीरों से मिली आजादी को हम किस रूप में संजोकर रख पा रहे हैं, वह सभी के समक्ष है। देश को आजाद हुए पूरे 77 बरस हो चुके हैं लेकिन आजादी के इन 77 वर्षों में लोकतंत्र के पवित्र स्थल संसद और विधानसभाओं के हालात साल दर साल किस कदर बदले हैं, वह भी किसी से छिपा नहीं है, जहां अभद्रता की सीमा पार करते जनप्रतिनिधि अभद्रता की हर हद पार करते नजर आते हैं। प्रतिवर्ष जब देश की स्वतंत्रता के साथ-साथ राष्ट्र की आन-बान और शान के प्रतीक तिरंगे के नीचे खड़े होकर बहुत से ऐसे जनप्रतिनिधियों को भी देश की रक्षा व प्रगति का संकल्प लेते देखते हैं, जो वर्षभर सरेआम लोकतंत्र की धज्जियां उड़ाते देखे जाते हैं तो मन में यही सवाल उठता है कि आखिर ऐसी संकल्प अदायगी से देश को हासिल क्या होता है? आजादी के दीवानों ने कभी सपने में भी नहीं सोचा होगा कि जिस देश को आजाद कराने के लिए वे इतनी कुर्बानियां दे रहे हैं, आजादी की उसकी तस्वीर ऐसी हो जाएगी। हालांकि स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् देश ने विकास के मार्ग पर तेजी से कदम बढ़ाए और विकास के अनेक सोपान तय किए हैं। तकनीकी कौशल हासिल करते हुए देश अंतरिक्ष तक जा पहुंचा है लेकिन महिलाओं से दुर्व्यवहार की घटनाएं जिस प्रकार लगातार बढ़ रही हैं और समाज में अपराधों की तादाद भी बढ़ रही है, ऐसे में देश की गुलामी का दौर देख चुके कुछ बुजुर्ग तो अब कहते सुने भी जाते हैं कि गुलामी के दिन आज की इस आजादी से कहीं बेहतर थे, जहां अपराधों को लेकर मन में भय व्याप्त रहता था किन्तु कड़े कानून बना दिए जाने के बावजूद अपराधियों के मन में अब किसी तरह का भय नहीं दिखता। देश के कोने-कोने से सामने आते अबोध बच्चियों और महिलाओं के साथ हो रहे अपराधों के बढ़ते मामले आजादी की बेहद शर्मनाक तस्वीर पेश कर रहे हैं। देश में महंगाई सुरसा की तरह बढ़ रही है, मध्यम वर्ग के लिए जीवनयापन दिनों-दिन मुश्किल होता जा रहा है, आतंकवाद की घटनाएं पग पसार रही हैं, आरक्षण की आग रह-रहकर देश को जलाती रहती है। ऐसे हालात निश्चित तौर पर देश के विकास के मार्ग में बाधक बनते हैं। हर कोई सत्ता के इर्द-गिर्द ही अपनी-अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकता नजर आ रहा है।

5 साप्ताहिक न्यूज क्राइम फाइल
भोपाल, 19 अगस्त से 25 अगस्त 2024

भोपाल में शहर सरकार का रक्षाबंधन गिफ्ट: भोपाल में रक्षाबंधन के दिन, सोमवार को शहर सरकार बहनों को सिटी बसों में फ्री में घूमने का गिफ्ट देगी। महिलाएं सुबह 6 से रात 9 बजे तक बसों में फ्री में सफर कर सकेंगी। एमआईसी (मेयर इन कौंसिल) में प्रस्ताव को मंजूरी मिल चुकी है। इसे लेकर आदेश भी जारी होंगे।

भोपाल में 20 क्विंटल मावा जब्त

ग्वालियर से बैरसिया के रास्ते शहर में आ रहा था; मावा दुकानों की भी जांच

न्यूज क्राइम फाइल

रक्षाबंधन के मौके पर भोपाल में नकली मावे को लेकर कार्रवाई की जा रही है। शनिवार को ग्वालियर से विक्रय के लिए बैरसिया के रास्ते भोपाल आ रहे मावा की खेप को ईंटखेड़ी पुलिस ने रोका। गाड़ी में रखें 20 क्विंटल मावा जब्त किया गया। एक पिकअप में 50 डलिया (लगभग 20 क्विंटल) मावा पाए जाने पर थाना प्रभारी दुर्जन सिंह ने खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीम को सूचित किया। इसके बाद टीम मौके पर पहुंची और मावा अपने कब्जे में लिया। इसे कोल्ड स्टोरेज में रखा गया है। ताकि, इसके स्वामित्व का दावा करने वाले विक्रेता से नमूने लेकर गुणवत्ता का परीक्षण कराया जा सके।

6 मावा दुकानों की जांच

खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीम ने आज मंगलवारा, इतवारा और बैरागढ़ क्षेत्रों की 6 मावा विक्रय केंद्रों से मावा के 13, अन्य दुग्ध उत्पादों के 13 और नमकीन आदि के 10 नमूने एकत्र किए। इस पर राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल से जांच उपरांत खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम के अंतर्गत कार्रवाई की जाएगी।

घर में घुसकर नाबालिग छात्रा से रेप

न्यूज क्राइम फाइल

मिसरोद इलाके में रहने वाली नाबालिग छात्रा के साथ उसके क्लासमेट ने रेप किया। पीड़िता की सहेलियों के माध्यम परिजनों तक पूरी जानकारी पहुंची। तब लड़की के परिजन उसे लेकर थाने पहुंचे और केस दर्ज करा दिया। पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। उसकी गिरफ्तारी कर ली गई है। सब इंस्पेक्टर रमेश सिंह के मुताबिक 17 वर्षीय किशोरी एक निजी स्कूल की छात्रा है। जबकि आरोपी छात्र भी नाबालिग है, और उसके साथ में ही पढ़ाई करता है। आरोपी छात्र लंबे समय से पीड़िता को फोन पर उसके पिता को जान से मारने की धमकी देते हुए बातचीत किया करता था। इसी बीच 24 फरवरी को पीड़िता को धमकाते हुए उसके घर पहुंचा और उसके साथ ज्यादती की। इसके बाद वह उसे लगातार धमकी दे रहा था। इसी बीच छात्रा की सहेलियों को भी घटना की खबर मिल गई और पूरी बात उसके परिजनों तक पहुंच गई। मामले का खुलासा होने पर पीड़िता अपने परिजनों के साथ थाने पहुंची और केस दर्ज कराया। थाने में पीड़िता के पहुंचने की भनक लगते ही आरोपी फरार हो गया, जिसे पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ लिया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल जबलपुर में अमर शहीद रानी अवंती बाई लोधी की जन्म स्थली ग्राम मनकेडी में क्षत्रिय लोधी महासभा कार्यक्रम में शामिल हुए और रानी अवंती बाई लोधी को श्रद्धांजलि दी।

पत्रकार बनने का सुनहरा अवसर

अगर आपके अंदर लिखने का कौशल है और पत्रकारिता में रुचि है, तो 'न्यूज क्राइम फाइल' को आपकी तलाश है। 'न्यूज क्राइम फाइल' से जुड़ कर आप हर माह दस हजार रुपये तक कमा सकते हैं। 'न्यूज क्राइम फाइल' भोपाल, ग्वालियर, सतना, सागर, जबलपुर, इंदौर, उज्जैन, मंदसौर और नीमच में ब्यूरो ऑफिस खोलने जा रहा है। इच्छुक उम्मीदवार तत्काल हमें अपना बॉयोडाटा मेल करें या व्हाट्सअप करें।

उदय प्रताप सिंह चौहान (संपादक) 07223003441

संजीव कुमार (ब्यूरो प्रभारी भोपाल) 08224965455

email: newscrimefile@yahoo.com

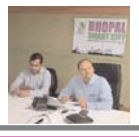

भोपाल की भानपुर खंती पहुंचे डायरेक्टर: स्वच्छ भारत मिशन के डायरेक्टर बिनय कुमार झा भोपाल की भानपुर खंती पहुंचे। उन्होंने सीएंडडी वेस्ट प्लांट भी देखा। भारत सरकार के आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के तहत स्वच्छ भारत मिशन के संचालक झा नगर निगम भोपाल द्वारा स्वच्छता के लिए किए जा रहे कार्यों का अवलोकन करने राजधानी पहुंचे।

हाईकोर्ट के आदेश के बाद लिया फैसला

एमपी में जूनियर डॉक्टर्स की हड़ताल खत्म

न्यूज क्राइम फाइल

मध्यप्रदेश में हाईकोर्ट के आदेश के बाद जूनियर डॉक्टर ने हड़ताल खत्म कर दी है। जूनियर डॉक्टर्स ने 15 अगस्त की रात 12 बजे से काम बंद कर दिया था। इसके करीब 46 घंटे बाद हड़ताल खत्म करने का ऐलान किया। जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन के प्रवक्ता डॉ. कुलदीप गुप्ता ने बताया कि हाईकोर्ट के आदेश के सम्मान में हड़ताल तत्काल खत्म कर दी गई है। हालांकि पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। दरअसल, 9 अगस्त को कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर से रेप और हत्या की गई थी। 14 अगस्त की देर रात इसी अस्पताल में हिंसा हुई, जिसके बाद आईएमए ने देशभर में प्रदर्शन का फैसला किया था।

हाईकोर्ट ने दिया था हड़ताल खत्म करने का आदेश

इससे पहले शनिवार दोपहर में हाईकोर्ट ने जूनियर डॉक्टर्स को हड़ताल खत्म करने का आदेश दिया था। कोर्ट ने कहा कि 20 अगस्त तक अपनी हड़ताल वापस लें। एक्टिंग चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा और जस्टिस विनय सर्राफ की बेंच ने कहा कि हड़ताल का ये तरीका कतई ठीक नहीं है। अगर किसी की जान निकल रही होगी, तो कहिएगा दो दिन बाद दवाई देंगे? हाईकोर्ट ने डॉक्टरों की काम पर लौटने की सलाह दी थी। इससे पहले मध्यप्रदेश के शासकीय स्वशासी चिकित्सक महासंघ ने कहा, हम चाहते हैं कि देश में समान कानून बने। हाईकोर्ट को लेकर हम आश्चर्यचकित हैं। हाईकोर्ट क्या चाहता है, हम पिट जाएं, मर जाएं। हमारे अधिकार नहीं हैं। मेरा कहना है कि हमें अपनी सुरक्षा और साथियों की सुरक्षा के लिए आंदोलन का अधिकार है। ऐसे में हाईकोर्ट हमारी बात को समझे।

हाईकोर्ट 20 अगस्त को करेगा सुनवाई

जबलपुर हाईकोर्ट ने जूनियर डॉक्टरों को हड़ताल खत्म करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा कि अपनी शिकायतें लेकर कोर्ट के सामने आएं। डॉक्टर्स की शिकायतों पर 20 अगस्त को कोर्ट सुनवाई करेगा। सुनवाई के दौरान जूडा सरकार से आश्वासन मांग रहा था। कोर्ट ने कहा कि पहले हड़ताल खत्म करें, फिर मुद्दों पर सुनवाई होगी।

जूडा प्रवक्ता ने कहा- जो भी निर्देश होंगे, उसी हिसाब से काम करेंगे

जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन के प्रवक्ता डॉ. कुलदीप गुप्ता का कहना है कि ये जनता और स्त्री की सुरक्षा का आंदोलन है। हम हाईकोर्ट का आदर और सम्मान करते हैं। जो भी दिशा निर्देश होंगे, उस हिसाब से आगे की रणनीति पर काम करेंगे।

भोपाल में हमीदिया की ओपीडी 46% घटी, 10 मौतें

भोपाल के हमीदिया अस्पताल में शनिवार को बाहर से आए लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। यहां आम दिनों में जहां 2500 मरीजों की ओपीडी होती थी, वह शनिवार को 1350 रह गई। इस तरह देखा जाए तो हमीदिया की ओपीडी में 46 प्रतिशत की कमी आई है। यहां 22 ऑपरेशन हुए जबकि 10 की मौत हुई है, हालांकि, इसे प्रबंधन सामान्य मौतें मान रहा है। इससे एक दिन पहले 16 अगस्त को हमीदिया अस्पताल में कुल 5 मौतें हुई थी।

युवक ने धर्म छिपाकर युवती से ज्यादती की

इंस्टाग्राम फ्रेंड ने दिया वारदात को अंजाम, बजरंगियों ने किया हंगामा

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल में धर्म छिपाकर युवती के साथ युवक ने ज्यादती की। आरोपी और पीड़िता का परिचय इंस्टाग्राम पर हुआ था। पहली बार मिलने के बाद आरोपी ने युवती के साथ फोटो ले लिए थे। बाद में इन्ही फोटो को वायरल कर बदनाम करने की धमकी देकर ज्यादती की। लड़की की शिकायत पर मंगलवारा पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है। इसकी भनक लगते ही बजरंग दल कार्यकर्ताओं थाने के बाहर हंगामा कर दिया। हिरासत में लिए जाने के बाद आरोपी से मारपीट की कोशिश की। पुलिस ने बताया कि 19 साल की युवती मूल रूप से विदिशा जिले की रहने वाली है। भोपाल में रहकर एक प्राइवेट कॉलेज से बी.कॉम की पढ़ाई कर रही है। पिछले दिनों उसकी दोस्ती इंस्टाग्राम के माध्यम से पीड़िता से हुई। आरोपी ने अपना नाम आशु बताया और उसकी इंस्टा प्रोफाइल भी इसी नाम से है। बीते 8 अगस्त को आरोपी ने पीड़िता को मिलने पीपुल्स मॉल में बुलाया। यहां घूमने के दौरान आरोपी ने पीड़िता के साथ कुछ तस्वीरें ले ली।

बर्थ डे सेलिब्रेशन के नाम पर की थी ज्यादती

15 अगस्त को आरोपी का बर्थ डे था। उसने पार्टी के नाम पर लड़की को मिलने बुलाया। भोपाल स्टेशन के नजदीक एक होटल में ले गया। वहां असगर खान उर्फ आशु ने पीड़िता के साथ डरा धमकाकर ज्यादती की। विरोध करने पर आरोपी ने पर्सनल फोटो वायरल कर बदनाम करने की धमकी। इतना ही नहीं पुलिस से शिकायत करने पर आरोपी ने लड़की को जान से मारने की धमकी दी।

लड़की के साथ पहुंचे बजरंगी

शनिवार को पीड़िता थाना मंगलवारा पहुंची। वहां आरोपी के खिलाफ शिकायती आवेदन दिया। पुलिस ने लड़की की शिकायत पर केस दर्ज कर लिया। आरोपी को हिरासत में लिया। डायल 100 से उसे थाने लाया जा रहा था, तभी कार्यकर्ताओं ने आरोपी से मारपीट की कोशिश की। बमुश्किल पुलिस ने आरोपी को बचाया और थाने तक पहुंचाया।

बेटी को बेरहमी से पीटता है पिता : वह बेटियों को कभी बेल्ट तो कभी लात-घूंसों से मारता है। बेटियां विरोध करती हैं तो फिर पीटता है। मारपीट की ये घटना घर में लगे CCTV में कैद हो गई। शुक्रवार को डरी सहमी पीड़ित बेटी अपनी छोटी बहन के साथ एसपी ऑफिस पहुंची (और पिता से बचाने की गुहार लगाई। उन्होंने कहा कि हम पिता के साथ नहीं रह सकते।

विनेश ने कहा- मेरे अंदर कुश्ती और लड़ाई हमेशा रहेगी

ओलिंपिक से अयोग्य होने के बाद पहली प्रतिक्रिया; बोलीं- फाइनल के पहले तक हार नहीं मानी

न्यूज क्राइम फाइल

29 साल की रेसलर विनेश फोगाट ने पेरिस ओलिंपिक से अयोग्य होने के बाद शुक्रवार, 16 अगस्त को पहली प्रतिक्रिया दी। उन्होंने 3 पेज का लेटर लिखा। विनेश ने कहा, जो पेरिस में हुआ अगर वो न होता तो मैं ओलिंपिक 2032 तक खेलती, क्योंकि मेरे अंदर लड़ने की भावना और कुश्ती हमेशा रहेगी। मुझे नहीं पता कि भविष्य क्या है और मेरे लिए सफर में आगे क्या होगा, लेकिन एक बात पक्की है कि मैं हमेशा उस बात के लिए लड़ती रहूंगी, जो मुझे सही लगती है। उन्होंने कहा, कहने को काफी कुछ है, लेकिन शब्द कभी पर्याप्त नहीं होंगे। हो सकता है कि जब समय सही हो मैं इस पर दोबारा बात करूं। पेरिस ओलिंपिक के दौरान विनेश 7 अगस्त को फाइनल से ठीक पहले 100 ग्राम ओवरवेट होने के कारण अयोग्य घोषित कर दी गई थीं। विनेश ने बताया, मैंने रातभर वजन कम करने की कोशिश की। करीब साढ़े पांच घंटे तक कड़ी मेहनत की, लेकिन अपने वजन को अपनी वेट कैटेगरी 50 द्मद्द पर नहीं ला सकी। उधर उनके फॉरेन कोच वॉलर अकोस ने आज खुलासा किया, एक समय हमें लगा कि विनेश मर जाएगी।

विनेश ने बताया, फाइनल के पहले तक हमने हार नहीं मानी

विनेश ने लेटर में बताया, %6 अगस्त की रात और 7 अगस्त की सुबह, हमने हार नहीं मानी। हमारी कोशिशें नहीं रुकीं। हम झुके नहीं, लेकिन घड़ी रुक गई और समय सही नहीं था। मेरा भाग्य भी साथ नहीं था। मेरी टीम, भारतीयों के लिए, मेरे परिवार के लिए, हम जिस गोल के लिए काम कर रहे थे। वो अधूरा रह गया। ये हमेशा मिसिंग रहेगा।

7 पॉइंट्स में विनेश की बातें...

पिता का सपना पूरा किया: जब मैं छोटी थी, तब मुझे ओलंपिक्स के बारे में जानकारी नहीं थी। मैं भी हर छोटी बच्ची

की तरह लंबे बाल रखना चाहती थी। फोन को हाथ में लेकर घूमना चाहती थी। मेरे पिता एक सामान्य बस ड्राइवर हैं। वे अपनी बेटी को हवाई जहाज में उड़ते हुए देखना चाहते थे। मैंने अपने पिता का सपना पूरा कर दिया। जब भी वे मुझसे इसका जिक्र करते हैं तो मैं हंस देती हूं। पति सोमवीर ने हर कदम पर दिया साथ: तमाम मुश्किलों के बावजूद मेरे परिवार ने भगवान पर भरोसा रखा। हमें यह यकीन है कि जो भगवान ने हमारे लिए सोचा होगा, वह अच्छा ही सोचा होगा। मेरी मां हमेशा कहती हैं कि भगवान कभी अच्छे लोगों के जीवन में बुरी चीजें नहीं आने देते हैं। मुझे इस बात पर तब और ज्यादा यकीन हो गया, जब मैं अपने पति सोमवीर के साथ जीवन के रास्ते पर आगे बढ़ी। सोमवीर ने मेरा हर सफर में साथ दिया है। मुझे पता था कि सोमवीर मेरे साथ खड़ा है- सोमवीर, जो कि मेरे पति, जीवनसाथी और जीवन भर के लिए सबसे अच्छे दोस्त हैं। यह कहना कि जब हमने किसी चुनौती का सामना किया, तो हम बराबर के भागीदार थे, गलत होगा, क्योंकि उन्होंने हर कदम पर बलिदान दिया और मेरी कठिनाइयों को उठाया, हमेशा मेरी रक्षा की। उन्होंने मेरी यात्रा को अपने सफर से ऊपर रखा और अत्यंत निष्ठा, समर्पण और ईमानदारी के साथ अपना सहयोग प्रदान किया। यदि वह नहीं होता, तो मैं यहां रहने, अपनी लड़ाई जारी रखने और प्रत्येक दिन का सामना करने की कल्पना नहीं कर सकती थी। यह केवल इसलिए संभव है, क्योंकि मैं जानती हूं कि वह मेरे साथ खड़ा है, मेरे पीछे है और जरूरत पड़ने पर मेरे सामने खड़ा है और हमेशा मेरी रक्षा कर रहा है। मां चाहती थी कि उसके सभी बच्चे खुश रहें- मेरी मां जो अपने जीवन की कठिनाइयों पर एक पूरी कहानी लिख सकती थीं, उन्होंने केवल यह सपना देखा था कि उनके सभी बच्चे एक दिन उनसे बेहतर जीवन जिएंगे। स्वतंत्र होना और उनके बच्चों का अपने पैरों पर खड़ा होना उनके लिए एक सपना था। उनकी इच्छाएं और सपने मेरे पिता से कहीं अधिक सरल थे। लेकिन मेरे पिता हमें छोड़कर चले गए और मैं बस उनके विचार और प्लेन में उड़ान भरने की यादों के साथ रही। मैं तब उनके अर्थ को लेकर असमंजस में थी, लेकिन फिर भी उस सपने को अपने पास रखा। मां ने हक के लिए लड़ना सिखाया- मेरी मां का सपना अब और दूर हो गया था, क्योंकि मेरे पिता की मृत्यु के कुछ महीने बाद उन्हें स्टेज तीन कैंसर का पता चला था। यहां तीन बच्चों की यात्रा शुरू हुई, जो अपनी अकेली मां का समर्थन करने के लिए अपना बचपन खो देते हैं। जल्द ही मेरे लंबे बाल, मोबाइल फोन के सपने धूमिल हो गए, क्योंकि मैंने जीवन की वास्तविकता का सामना किया और अस्तित्व की दौड़ में शामिल हो गई। लेकिन संघर्ष ने मुझे काफी कुछ सिखाया।

इस हफ्ते सोने-चांदी में रही तेजी, चांदी 1,247 रुपए महंगी हुई

न्यूज क्राइम फाइल

इस हफ्ते सोने-चांदी के दामों में तेजी देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के अनुसार पिछले शनिवार यानी 10 अगस्त को सोना 69,663 रुपए पर था, जो अब (17 अगस्त) को 70,604 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत में 941 रुपए की बढ़ोतरी हुई है। वहीं चांदी की बात करें तो ये पिछले शनिवार को ये 80,263 रुपए पर थी, जो अब 81,510 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। इस हफ्ते इसकी कीमत 1,247 रुपए बढ़ी है। इस साल चांदी 29 मई को अपने ऑल टाइम हाई 94,280 रुपए प्रति पर पहुंच गई थी। वहीं सोने ने 21 मई को 74,222 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

4 महानगरों और भोपाल में सोने की कीमत

दिल्ली: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 66,850 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 72,920 रुपए है।

मुंबई: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 66,700 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 72,770 रुपए है।

कोलकाता: 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 66,700 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 72,770 रुपए है।

चेन्नई: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 66,700 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 72,770 रुपए है।

भोपाल: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 66,750 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 72,820 रुपए है।

इस साल सोने में अब तक 7 हजार रुपए से ज्यादा की तेजी

के अनुसार, इस साल अब तक सोने के दाम 7,252 रुपए बढ़ चुके हैं। 1 जनवरी को सोना 63,352 रुपए पर था, जो अब 70,604 रुपए प्रति 10 ग्राम पहुंच गया है। वहीं एक किलो चांदी के दाम 73,395 रुपए से बढ़कर 81,510 रुपए पर पहुंच गए हैं।

आने वाले दिनों में और बढ़ सकते हैं सोने के दाम

अगस्त से लेकर दिसंबर तक 8 बड़े त्योहार हैं। नवंबर-दिसंबर में विवाह के 16 मुहूर्त हैं। उज्जैन के पंडित सुधीर के मुताबिक, खरीदारी के लिए अहम पुष्य नक्षत्र 4 अगस्त, 31 अगस्त, 27 सितंबर व 25 अक्टूबर है। खास बात ये भी है कि इस साल मई-जून में शादी के मुहूर्त नहीं थे, इस वजह से बड़ी तादाद में शादियां नवंबर-दिसंबर में चली गई हैं। ऐसे में इस बार सोने की बिक्री के रिकॉर्ड टूट सकते हैं। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के मुताबिक, दिसंबर तक ज्वेलरी, गोल्ड बार व सिक्के की मांग बढ़ेगी। 50 टन अतिरिक्त मांग पैदा हो सकती है। इससे सोने की कीमतों तेजी देखने को मिल सकती है।

पीएस और निगमायुक्त को हाईकोर्ट का नोटिस : मध्यप्रदेश हाई कोर्ट ने प्रमुख सचिव और जबलपुर नगर निगम कमिश्नर को अवमानना नोटिस जारी करते हुएद्व उन्हें चार सप्ताह में जब आप पेश करने की निर्देश दिए हैं। मामला हाई कोर्ट के निर्देश के बावजूद भी सेवा में वापस न लेने को लेकर लगाई गई याचिका से जुड़ा हुआ है ।

थाने में मौत...

पुलिस ने 23 लाख में समझौता किया

न्यूज क्राइम फाइल

एमपी, गुजरात और राजस्थान के आदिवासी इलाकों में एक ऐसी प्रथा है जिसमें हर जुर्म की कीमत चुकानी पड़ती है। इसे भांजगड़ा कहते हैं। यहां मर्डर, रेप, एक्सीडेंट, नाबालिग लड़कियों की शादी से लेकर कोई भी अपराध क्यों न हो, हर मामले में आदिवासियों की पंचायत बैठती है। उसमें फैसला होता है कि पीड़ित पक्ष को आरोपी पक्ष कितना मुआवजा देगा। इस सामाजिक प्रथा से इस इलाके की पुलिस भी अछूती नहीं है। यदि किसी आदिवासी की पुलिस हिरासत में मौत हुई हो या किसी पुलिस वाले पर आरोप लगा हो उसे भी भांजगड़ा प्रथा का पालन करना पड़ता है। पिछले दिनों ऐसे ही दो मामले सामने आए हैं, जिसमें पुलिस को पीड़ित पक्ष को भांजगड़ा (समझौता राशि) देना पड़ा, हालांकि पुलिस अधिकारी इससे इनकार करते हैं। वे कहते हैं कि इस प्रथा की वजह से लोग पुलिस में शिकायत ही नहीं करते और 90 फीसदी मामलों के आरोपियों को कानूनी रूप से सजा नहीं मिलती।

केस1: एक्सीडेंट में मौत के एवज में 1 करोड़ रुपए का भांजगड़ा

झाबुआ से 45 किमी दूर काकरादरा गांव में 1 करोड़ रु. भांजगड़ा की मांग को लेकर ग्रामीण 10 अगस्त से सड़क जाम कर रहे हैं। दरअसल, इस गांव के रहने वाले शैतान सिंह की एक सड़क हादसे में मौत हो गई थी। ग्रामीणों का कहना है कि शैतान सिंह सड़क पर बाइक से जा रहा था। उसी वक्त पीछे से आ रही एक यात्री बस ने उसे कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। अब ग्रामीणों की मांग है कि शैतान सिंह के परिजन को बस मालिक को 1 करोड़ का भांजगड़ा देना चाहिए, जिससे परिवार का भरण पोषण हो सके। जिस दिन एक्सीडेंट हुआ, उस दिन पुलिस ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों को समझाइश भी दी थी और बस मालिक के खिलाफ मामला भी दर्ज किया था।

बस मालिक को सामाजिक प्रथा का पालन करना पड़ेगा: ग्रामीण

ग्रामीणों का कहना है कि पुलिस ने अपना काम किया है, लेकिन बस मालिक को सामाजिक प्रथा का पालन करना होगा। ग्रामीणों के इस प्रदर्शन में शैतान सिंह का परिवार भी शामिल है। उसके चाचा नब्बो कहते हैं कि बस मालिक को फोन कर 1 करोड़ रु. भांजगड़ा मांगा था, लेकिन 70 लाख से कम पर समझौता नहीं करेंगे। इस प्रदर्शन में शामिल जंगलिया डोडियार का कहना है कि बस मालिक को दो से तीन बार कॉल किया है, उसकी तरफ से कोई रिस्पॉन्स नहीं मिला है। उससे पूछा कि प्रशासन का कोई व्यक्ति आया तो बोला- कोई नहीं आया। प्रदर्शन में शैतान सिंह की पत्नी और बेटियां भी शामिल है। पत्नी ने बताया कि पति गुजरात में राज मिस्त्री का काम करता था। उसी की कमाई से घर का चूल्हा जलता था।

केस 2: एमपी का लड़का गुजरात की लड़की को भगा लाया

कुंदनपुर गांव से 25 किमी दूर पिटोल चौकी है। चौकी से कुछ ही दूरी पर बड़ी संख्या में ग्रामीण इकट्ठा हुए हैं। ग्रामीणों ने बताया कि भांजगड़ा की पंचायत बैठी है। तड़वी (मध्यस्थ) केकड़िया भाबोर ने बताया कि सिंगाड़िया गांव का 19 साल का लड़का कालिया, गुजरात से एक लड़की भगा लाया है। अब लड़की के पिता की ओर से 9 लाख भांजगड़ा की मांग की जा रही है। भाबोर बोला- हम लोग साढ़े चार लाख रुपए देने को तैयार हैं। बहुत हुआ तो एक लाख और दे देंगे। इस पंचायत में कालिया के पिता खेमचंद भी मौजूद थे, लेकिन उन्होंने कोई बातचीत नहीं की। केकड़िया ने बताया कि रोड के दूसरी ओर लड़की वाले भी बैठे हैं।

लड़की का पिता बोला- 8 लाख से कम नहीं लूंगा

गुजरात से बाकायदा वैन में भरकर आए लड़की वाले पंचायत से कुछ दूर एक खेत में बैठे हुए थे। लड़की के पिता स्वरूपा भाई से बात हुई तो बोले- एक महीने पहले ये लड़का मेरी लड़की को भगा लाया था। हम लोग कई दिनों से तलाश कर रहे थे। अब जाकर दोनों का पता चला है। मैंने लड़के वालों से 9 लाख भांजगड़ा मांगा है, मगर वे देने को तैयार नहीं है। कुछ देर रुक कर कहते हैं आठ लाख से कम पर नहीं मानूंगा। उनसे सवाल किया कि लड़की के गायब होने की सूचना थाने में दी थी क्या? बोले हमारे समाज में पुलिस थाने में शिकायत करने की परंपरा नहीं है। हम आपस में बैठकर फैसला कर लेते हैं। उन्हीं के साथ बैठे कालरा भाई ने कहा- हमारे समाज में शादी-ब्याह जब दोनों पक्षों की रजामंदी से तय होता है तो लड़के वाले लड़की पक्ष को तीन-चार लाख रु. देते हैं। यदि मां-बाप की मर्जी के बगैर लड़का लड़की शादी करते हैं तो फिर दो से तीन गुना रकम देना पड़ती है।

केस1: पुलिस हिरासत में आदिवासी की मौत, देना पड़ा 10 लाख भांजगड़ा

27 जुलाई को झाबुआ के छायन गांव में एक आदिवासी रसन सिंह किहोरी की पुलिस हिरासत में मौत हो गई थी। छायन गांव गुजरात बार्डर से सटा गांव है। रसन की दोनों पत्नियां रूपा व हूमा किहोरी के मुताबिक रात 12 बजे हरिनगर चौकी की पुलिस रसन के बेटे कुशाल की तलाश में आई थी। दरअसल, कुशाल के खिलाफ मारपीट का मामला दर्ज था, लेकिन पुलिस रसन को उठा ले गई। दो घंटे बाद पुलिस ने गांव के सरपंच तोल सिंह मुणिया को कॉल कर चौकी बुलाया और कहा कि रसन को लेकर जाए।सरपंच रसन को लेकर बाइक से उसके घर के सामने वाली रोड तक पहुंचा। वहीं पर रसन ने दम तोड़ दिया। दूसरे दिन रसन की लाश रखकर परिवार और ग्रामीणों

ने चौकी में तोड़फोड़ के साथ प्रदर्शन किया। उन्होंने पुलिस पर पिटाई का आरोप लगाया। पीएम रिपोर्ट में भी रसन की मौत की वजह सिर में आई चोट बताई गई। हालांकि, पुलिस ने CCTV वीडियो जारी कर दावा किया कि जब रसन को सरपंच को सौंपा था, तो वह सही सलामत था। एसपी झाबुआ ने चौकी के सभी स्टाफ को इस घटना के बाद हटा दिया। लेकिन, सरपंच तोल सिंह मुणिया के मुताबिक पुलिस को इस मामले में रसन के परिवार वालों को 10 लाख रुपए भांजगड़ा देकर समझौता करना पड़ा।

केस2: हिरासत में मौत पर, गुजरात पुलिस से 13 लाख लिया था भांजगड़ा

भांजगड़ा एमपी में ही नहीं, सीमावर्ती गुजरात में भी देना पड़ता है। साल 2022 में देवका गांव के रहने वाले रामजी किशोरी की गुजरात पुलिस की कस्टडी में मौत हो गई थी। रामजी के साले और गांव के सरपंच रमेश तोलिया कहते हैं कि पुलिस ने 13 लाख रु. भांजगड़ा देकर मामले में समझौता किया था। छायन गांव के सरपंच तोल सिंह मुणिया इस मामले के गवाह थे। मुणिया के मुताबिक दिनेश रामजी को एमपी की हरिनगर पुलिस ने एक केस में दो साल पहले गिरफ्तार किया था। उसे झाबुआ जेल भेज दिया गया था। वहां से दो महीने बाद वह जमानत पर जेल से छूटा, लेकिन उसे गुजरात की दाहोद पुलिस पकड़कर ले गई। मुणिया ने कहा कि गुजरात पुलिस ने पांच दिन तक हिरासत में रखा, मगर कोर्ट में पेश नहीं किया। रामजी की पत्नी कम्मोदी बाई कहती है कि गुजरात पुलिस उसे छोड़ने के एवज में 70 हजार रु. मांग रही थी। रात को पति दिनेश से बात भी करवाती थी। वह बताती हैं कि 12 दिसंबर 2022 को गुजरात पुलिस ने मुझे बुलाया, मैं वहां पहुंची तो पति की मौत हो चुकी थी। इसके बाद गांव के 45 लोग गुजरात के दाहोद पहुंचे। वहां थाने के सामने लाश रखकर प्रदर्शन किया। पुलिस ने 13 लाख रुपए देकर भांजगड़ा किया।

पुलिस बोली- प्रथा की आड़ में फैलाई जाती है अफवाह

एडिशनल एसपी प्रेमलाल कुर्वे से पूछा तो वे बोले कि आदिवासी इलाकों में भांजगड़ा प्रचलित प्रथा है। इससे तो हम भी परेशान हैं। कई बड़े अपराधों में भांजगड़ा के तहत दोनों पक्षों के बीच समझौता हो जाता है। पुलिस के भांजगड़ा देने के सवाल पर बोले कि ये अफवाह फैलाई जाती है कि पुलिस भांजगड़ा की आड़ में समझौते करती है। ऐसा कुछ नहीं है। जो कोई आरोप लगाते हैं या फिर दावा करते हैं ,वह सब झूठे हैं।अब हम ऐसे लोगों के खिलाफ कोई कार्रवाई थोड़े ना करेंगे। इतना जरूर है कि हम लोगों को समझाते हैं कि भांजगड़ा में मामलों का निपटारा न करें। कई बार भांजगड़ा में सौदा हो जाता है, लेकिन जब पैसा नहीं मिलता तब पीड़ित पक्ष पुलिस के पास ही आता है, हम उसे शिकायत करने के लिए कहते हैं।

भांजगड़ा के चलते आदिवासी फंस रहे कर्ज की जाल में, कर रहे सुसाइड

भांजगड़ा का एक दूसरा पहलू भी है। छापरी गांव के सरपंच कमलेश भाबोर कहते हैं कि हमारे यहां शादी-विवाह में लड़के वालों को पैसे देने पड़ते हैं। यदि किसी ने भाग कर शादी कर ली तो उस परिवार को 10 से 12 लाख रुपए तक देने पड़ते हैं। अब इस पैसे के इंतजाम के लिए पीड़ित पक्ष नोतरा रखता है। ये भी एक प्रथा है जिसमें समाज के बाकी लोगों से चंदा लिया जाता है। जब शादी हो जाती है तो जिन्होंने नोतरा दिया उसका डेढ़ गुना लौटाना पड़ता है। वे कहते हैं कि खुद मेरे लड़के की शादी में 35 लाख का नोतरा मिला था।

जानकार बोले- भांजगड़ा और शादी-विवाह के दहेज पर बनना चाहिए कानून

हरिनगर ब्लाक कांग्रेस के अध्यक्ष रमेश भटेरे इसे कुप्रथा कहते हैं। उनके मुताबिक भांजगड़ा के लिए रकम जुटाने में आदिवासी परिवार कर्जदार हो रहे हैं। वे गुजरात जाकर काम करते हैं ताकि भांजगड़ा की रकम चुका सके। जब ऐसा नहीं होता तो फिर जमीन गिरवी रखकर कर्ज लेते हैं। उसके बाद कर्ज की रकम चुकाने के लिए काम करते हैं।

घायल बहू की इलाज के दौरान मौत: 4 अगस्त को विक्रमगढ़ के 4 लोगों की राजस्थान में सड़क हादसे में मौत हो गई थी। ये सभी ऋषिकेश से लौट रहे थे। तभी सवाई माधोपुर में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर इनकी कार ट्रक से टकरा गई थी। इस हादसे में भाई-बहन समेत 4 लोगों की मौके पर मौत हो गई। ये सभी विक्रमगढ़ के रहने वाले थे।

नायब तहसीलदार को ट्रैक्टर से कुचलने की कोशिश

रेत माफिया ने धमकाया- स्पॉट पर ट्रैक्टर चढ़वाकर जान से खत्म कर दूंगा

न्यूज क्राइम फाइल

राजगढ़ में ट्रैक्टर चालक ने नायब तहसीलदार को वाहन समेत कुचलने की कोशिश की। इसके बाद वह रेत से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली लेकर भाग गया। नायब तहसीलदार पुलिस बल के साथ ट्रैक्टर चालक को पकड़ने पहुंचे तो रेत माफिया ने फोन कर धमकी दी। उसने कहा- स्पॉट पर ट्रैक्टर चढ़वाकर जान से खत्म कर दूंगा। घटना संडावता में दोपहर की है। थाना प्रभारी अनिल राहोरिया ने बताया कि देर रात नायब तहसीलदार की शिकायत पर तीन लोगों पर केस दर्ज कर लिया है। आरोपी फरार हैं। इस घटना से जुड़े वीडियो शनिवार को सामने आए। संडावता नायब तहसीलदार सुरेश सिंह ने बताया कि शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजे वे सारंगपुर से कार्यालय जाने के लिए निकले थे। इस दौरान रास्ते से जा रहे रेत से भरे ट्रैक्टर को रोककर पूछा कि कहां जा रहे हो। इसके बाद चालक ने ट्रैक्टर की स्पीड तेज की और तहसीलदार की चलती गाड़ी को कुचलने की कोशिश की। गाड़ी के कांच टूट गए। इसके बाद चालक ट्रैक्टर लेकर दयाखेड़ी की तरफ भाग गया।

पुलिस को देख ट्रैक्टर छोड़कर भागे आरोपी

नायब तहसीलदार सुरेश सिंह ने बताया, 8 अगस्त को पवन भिलाला को रेत से भरे ट्रैक्टर ट्रॉली के साथ पकड़ा था। उसके

साथ नीरज भिलाला भी था। 16 अगस्त शुक्रवार को भी पवन भिलाला रेत से भरा ट्रैक्टर ले जाता हुआ मिल गया। मैंने उसे पहचान लिया था। पवन भिलाला जैसे ही भागा, मैंने लीमाचौहान पुलिस को सूचना दी और वाहन का पीछा किया। आगे जाकर देखा तो ट्रैक्टर देदला गांव के खेत में कीचड़ में फंसा मिला। पुलिस मौके पर पहुंची तो ट्रैक्टर चालक और उसका साथी भाग गया। पूछताछ करने पर ग्रामीणों ने पुलिस को बताया कि ट्रैक्टर तेज गति से निकला, बच्चे बाल-बाल बचे।

माफिया बोला- क्या बिगाड़ लिया मेरा

नायब तहसीलदार ने बताया, मैं गांव में लोगों से घटना के संबंध में बात कर रहा था। इसी दौरान अननोन नंबर से कॉल आया। पिक करने पर कॉलर ने कहा- खजुरिया घाटा से भगवान सिंह पाल बोल रहा हूं। क्या मेरे ट्रैक्टर ट्रॉली को रोका है। 8 तारीख को भी मेरे दो ट्रैक्टर जब्त किए थे। क्या कर लिया था तुमने उस दिन। मेरे रेत भंडारण में 400 ट्रॉली का पंचनामा बनवाया, बस इतना ही न। मैंने वहां से पूरी रेत ही गायब करवा दी, जिसकी जानकारी सारंगपुर तहसीलदार को भी है। मेरा कुछ नहीं बिगाड़ सकते। ऊपर तक पहचान है। आगे से ऐसा किया तो स्पॉट पर ही ट्रैक्टर चढ़वा कर जान से खत्म कर दूंगा।

रेत माफिया समेत तीन पर केस दर्ज

नायब तहसीलदार सुरेश सिंह ने बताया कि रेत माफिया अधिकारियों को धमका दे रहे हैं। मेरे वाहन को कुचलने की कोशिश की और फोन पर धमकी दी। ट्रैक्टर को जब्त कर लीमाचौहान थाने में खड़ा करवाया है। सारंगपुर एसडीएम को घटना की जानकारी देकर प्रतिवेदन भेजा गया है।

लेडी कॉन्स्टेबल ने वर्दी में किया कोचिंग का ऐड

रतलाम एसपी ने किया सस्पेंड; एक्स यूजर ने लिखा-खाकी का काम कोर्स बेचना रह गया

न्यूज क्राइम फाइल

रतलाम में लेडी कॉन्स्टेबल को वर्दी में एक प्राइवेट कोचिंग का विज्ञापन करना महंगा पड़ गया। ऐड का वीडियो सामने आने के बाद एसपी ने कॉन्स्टेबल अनिष्का रावत को सस्पेंड कर दिया है। वो जिले के नामली थाने में पदस्थ है। दरअसल, शुक्रवार को एमपी युवा शक्ति नाम के ङ्क अकाउंट से ऐड का वीडियो शेयर किया गया है। इसमें अनिष्का इंदौर के एक कोचिंग इंस्टीट्यूट का विज्ञापन करती दिख रही है। कैप्शन लिखा है कि 'अब खाकी वर्दी का काम चौराहे पर ड्यूटी देना ही नहीं, बल्कि प्राइवेट कोचिंग क्लास का प्रमोशन करना भी है।%

एक्स पर लिखा- पुलिस को वीडियो बनाने की ट्रेनिंग दी जाए

एमपी युवा शक्ति ने अपने ङ्क अकाउंट पर लिखा है- मध्यप्रदेश पुलिस की आरक्षक अनिष्का रावत मीणा इस काम को बखूबी निभा रही हैं। एमपी पुलिस डिपार्टमेंट से निवेदन है कि पुलिस भर्ती से चयनित को वीडियो बनाने का प्रशिक्षण भी दिया जाए। वीडियो को क्काक्त और रतलाम एसपी को भी टैग किया गया है। वीडियो के ऊपर यह भी लिखा है कि अब खाकी वर्दी का काम भी ड्यूटी करते हुए कोर्स बेचना रह गया। वीडियो सामने आने के बाद एसपी राहुल कुमार लोढ़ा ने लेडी कॉन्स्टेबल पर कार्रवाई की।

वीडियो में निजी कोचिंग सजेस्ट कर रही कॉन्स्टेबल

वीडियो में दिख रहा है कि एक युवती ड्यूटी पर तैनात लेडी कॉन्स्टेबल अनिष्का रावत मीणा के पास आती है। वीडियो में युवती कहती है, हैलो मैम, आपके चैनल को बहुत टाइम से फॉलो कर रही हूं। मुझे आपके जैसे बनना है। मैम में पुलिस की तैयारी करना चाहती हूं। आपने कहां से तैयारी की है। लेडी कॉन्स्टेबल अनिष्का कहती है, मैंने तो इंदौर की प्राइवेट कोचिंग से तैयारी की है। मैं अभी भी एमपीएसआई की तैयारी वहां से ऑनलाइन कर रही हूं। यदि आपको भी तैयारी करना है, तो उनका यूट्यूब चैनल चेक कर सकती हैं। अभी तो अगस्त महीना चल रहा है। ऑनलाइन कोर्सेस में ऑफर भी हैं। महिला सुपरवाइजर, व्यापमं की तैयारी कर सकती हैं। अच्छे कंटेट मिलेंगे। टीचर भी अच्छे हैं।

वीडियो सामने आने के बाद एक्शन

शाम को वीडियो सामने आने के बाद एसपी राहुल कुमार लोढ़ा ने भी इसे ङ्क पर पोस्ट किया। लिखा- 'सोशल मीडिया के माध्यम से एक महिला आरक्षक द्वारा वर्दी में निजी कोचिंग संस्थान का प्रचार करना संज्ञान में आया है। जिस पर कार्रवाई करते हुए निलंबित किया गया है। विभागीय स्तर पर जांच की जा रही है।'

यूजर्स बोले- वर्दी में ऐसा नहीं करना चाहिए

वीडियो शेयर होने के बाद कई यूजर्स के रिएक्शन भी आए। एक यूजर ने लिखा 'वर्दी में ऐसा नहीं करना चाहिए। आप सिस्टम का हिस्सा हो। किसी ने लिखा- समझाइश के साथ महिला आरक्षक को एक मौका और देना चाहिए। एक यूजर ने लेडी कांस्टेबल के खिलाफ हुई इस कार्रवाई का उचित ठहराया। वहीं, एक ने लिखा कि मध्यप्रदेश पुलिस एक्ट की धारा 3 (1) (क) के अंतर्गत पुलिस वाले खाकी वर्दी पहन कर ड्यूटी करते वक्त कोचिंग का प्रचार प्रसार कर सकते हैं।

गांजा पीने से रोका तो चाकू से हमला किया: घर के पड़ोस में रहने वाले शख्स को गांजा पीने से रोका तो उसने चाकू से वार कर दिया है। घटना में दंपती व उनके बेटे को गंभीर चोंटे आई है। चाकू लगने से पिता-पुत्र की नाक पर गहरा घाव हो गया हैं। नाक व सिर में करीब एक दर्जन टांके आए है। महिला की हुड़ी पर चोंट आई है।

कन्नड़ एक्ट्रेस मारिया, जिसने दोस्त के 300 टुकड़े किए

लाश के सामने बॉयफ्रेंड से संबंध बनाए फिर शॉपिंग की, एक कॉल से खुली मर्डर मिस्ट्री

न्यूज क्राइम फाइल

पहला किरदार : नीरज ग्रोवर, जो बालाजी प्रोडक्शन हाउस में कास्टिंग का काम किया करता था और मारिया से प्यार करता था।

दूसरा किरदार : मारिया मोनिका सुसाइराज, कन्नड़ एक्ट्रेस जो हिंदी फिल्मों में किस्मत आजमाने मुंबई पहुंची थीं।

तीसरा किरदार : लेफ्टिनेंट जेरोम मैथ्यू, मारिया के बॉयफ्रेंड, जिनसे उनकी सगाई होने वाली थी।

26 साल के नीरज ग्रोवर एक रोज अचानक गुमशुदा हो गए। वो अपनी गर्लफ्रेंड और कन्नड़ एक्ट्रेस मारिया सुसाइराज की घर शिफ्ट करने में मदद कर रहे थे, लेकिन उसके बाद उन्हें किसी ने नहीं देखा। कई घंटे बीते, फिर दिन और फिर हफ्ते, लेकिन नीरज की कोई खबर नहीं मिली। नीरज को ढूंढने के लिए पूरे शहर भर में पोस्टर चिपकवाए गए, लेकिन नतीजा शून्य रहा। आखिरकार पुलिस को नीरज की लोकेशन की जानकारी एक मोबाइल नेटवर्क टावर से मिली। उस एक कॉल ने पूरे वीभत्स हत्याकांड का पर्दाफाश कर दिया। मामले में पहली गिरफ्तारी हुई एक्ट्रेस मारिया सुसाइराज की, फिर जो खुलासे हुए, उसे सुनकर हर कोई सिहर उठा। नीरज की हत्या हुई थी, उनकी लाश के सामने हत्यारों ने शारीरिक संबंध बनाए और फिर चंद घंटों बाद उनकी लाश के 300 टुकड़े कर दिए।

मैसूर के क्रिश्चियन परिवार में जन्मीं मारिया मोनिका सुसाइराज बचपन से ही नाच-गाने में अव्वल थीं। पिता कंस्ट्रक्शन फर्म में काम करते थे, जबकि चाचा नगर निगम के कर्मचारी थे। स्कूल के कल्चरल प्रोग्राम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए मारिया ने हीरोइन बनने का ख्वाब देखा था, लेकिन परिवार इसके खिलाफ था। जब घरवाले शादी का दबाव बनाने लगे तो एक रोज मारिया ने मैसूर स्थित अपना घर छोड़ दिया और बेंगलुरु आकर बस गईं। बेंगलुरु में लगातार प्रोड्यूसर्स के दफ्तरों के चक्कर काटते हुए उन्हें कन्नड़ सिनेमा में जगह मिल गई। कुछ छोटे-मोटे रोल के बाद मारिया को साल 2002 में कन्नड़ सिनेमा में बड़ा ब्रेक मिला। उन्हें बतौर लीड फिल्म जूट में काम मिला। फिल्म के लिए उन्हें सराहना तो मिली, लेकिन फिल्म फ्लॉप रही। इस एक काम के बाद उन्हें चंद और फिल्मों में छोटी-मोटी भूमिकाएं मिलने लगीं, लेकिन मारिया रीजनल सिनेमा में नहीं बल्कि पूरे भारत में पहचान बनाना चाहती थीं। जब कन्नड़ सिनेमा में उन्हें काम मिलना कम हुआ, तो उन्होंने मुंबई का रुख किया। मारिया अक्सर ऑडिशन देने मुंबई जाया करती थीं। एक दिन ऑडिशन के सिलसिले में मारिया की मुलाकात नीरज ग्रोवर से हुई। नीरज ग्रोवर की मुंबई में अच्छी पकड़ थी। उन्होंने शाहरुख खान द्वारा होस्ट किए जाने वाले शो %क्या आप पांचवी पास से तेज हैं% और %कहानी हमारे महाभारत की% जैसे शोज का हिस्सा रह चुके थे। साल 2008 में वो एकता कपूर के पॉपुलर प्रोडक्शन हाउस बालाजी टेलीफिल्म्स से जुड़कर काम कर रहे थे। ऑडिशन के दौरान हुई मुलाकात के बाद नीरज और मारिया ने नंबर एक्सचेंज किए और फिर दोनों की बात होने लगी। नीरज ने मारिया से कहा कि वो बेहद खूबसूरत हैं और उन्हें काम ढूंढने में दिक्कत नहीं होनी चाहिए।

जवाब में मारिया ने कहा कि उनकी मुंबई में कोई पहचान नहीं है, जिससे उन्हें काम नहीं मिल रहा है। मारिया की बात सुनकर नीरज ने उन्हें मदद का आश्वासन दिया और उनका बालाजी टेलीफिल्म्स में ऑडिशन अरेंज करवाया। वो इन ऑडिशन के लिए अक्सर मुंबई आया करती थीं। समय के साथ मारिया, नीरज से ज्यादा घुलने-मिलने लगी थीं, जबकि वो पहले ही मैसूर के रहनेवाले जेरोम मैथ्यू के साथ लॉन्ग डिस्टेंस रिलेशनशिप में थीं, जिनसे उनकी सगाई भी होने वाली थी। जेरोम इंडियन आर्मी में थे और उस समय पुणे में पोस्टेड थे। बड़ी हीरोइन बनने और काम मिलने का ख्वाब देखने वालीं मारिया ने नीरज को ये बताना जरूरी नहीं समझा कि वो पहले से रिलेशनशिप में हैं। समय के साथ दोनों की नजदीकियां बढ़ने लगीं और एक रोज मारिया ने मुंबई शिफ्ट होने का फैसला कर लिया। जब मारिया मुंबई पहुंचीं, तो नीरज ने उन्हें अपने घर में जगह दी। दोनों की दोस्ती के कई महीने हो चुके थे, लेकिन नीरज की तरफ से मारिया को कोई काम नहीं मिल रहा था। नीरज ने अपने दोस्तों को बताया था कि कन्नड़ एक्सेंट के कारण मारिया के ऑडिशन रिजेक्ट हो जाते थे, लेकिन मारिया को ठेस न पहुंचे, इसलिए वो अक्सर उनके सामने काम न मिलने के नए-नए बहाने बना दिया करते थे।

नीरज के घर में रहते हुए मारिया की उनके दोस्तों से भी अच्छी दोस्ती हो गई थी। वो अक्सर नीरज के दोस्तों से पूछा करती थीं कि कहीं नीरज उन्हें धोखा तो नहीं दे रहे? कहीं ये कास्टिंग काउच की तरह तो नहीं है? दोस्त अक्सर मारिया को समझाते थे कि नीरज उन्हें काम दिलाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। इस बीच जब भी मारिया अपने बॉयफ्रेंड जेरोम मैथ्यू से बात करती थीं, तो नीरज का जिक्र होने पर बस यही कहा करती थीं कि नीरज उनसे एकतरफा प्यार करते हैं और वो उन्हें दोस्त मानती हैं। हालांकि, ये एक झूठी कहानी थी। करीब एक हफ्ते तक नीरज के साथ लिव-इन में रहने के बाद मारिया ने मलाड के धीरज सॉलिटियर अपार्टमेंट का फ्लैट नंबर 201 किराए पर ले लिया था।

7 मई 2008

मारिया को नीरज का फ्लैट छोड़कर मलाड स्थित फ्लैट में शिफ्ट होना था। मारिया के जाने के बाद रात को नीरज ने अपने दोस्तों से कहा कि मारिया की शिफ्टिंग में मदद करवाने जा रहे हैं। करीब 10 बजे वो घर से निकल गए। अगली सुबह नीरज के दोस्त ने उनके नंबर पर कॉल किया, तो कॉल मारिया ने रिसीव किया। मारिया ने उनके दोस्त लाल को बताया कि नीरज रात 1:30 बजे घर से निकल चुके थे और हड़बड़ी में फोन उनके फ्लैट में छोड़ गए हैं। कुछ घंटे और बीते, लेकिन नीरज न फ्लैट पर आए और न फोन लेने पहुंचे। नीरज से बात न होने पर उनके परिवार और काम से जुड़े लोग उनके दोस्त लाल को कॉल कर रहे थे, लेकिन उन्हें कोई जानकारी नहीं थी। आखिरकार, लाल 8 मई की शाम मारिया के फ्लैट पहुंचे। जब उन्होंने मारिया से पूछा कि वो किसके साथ निकले हैं, तो वो कोई जवाब नहीं दे सकीं। आखिरकार दोनों ने सोच-विचार करने के बाद मलाड पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस ने नीरज का फोन जब्त कर उनकी तलाश शुरू कर दी। मामले में उनके करीबियों से पूछताछ हुई, लेकिन कोई जानकारी सामने नहीं आ सकी। 2 दिनों बाद उनके परिवारवाले भी कानपुर से मुंबई आ गए। चंद दिन दो हफ्तों में बदल गए, लेकिन नीरज की कोई खबर नहीं थी। उनके परिवारवालों ने उनके पोस्टर छपवाए, जिसमें पता बताने वाले को ईनाम देने की घोषणा की गई थी, लेकिन उससे भी कोई फायदा नहीं हो सका। 2 हफ्ते बीते ही थे कि पुलिस ने मामले से जुड़े लोगों के कॉल रिकॉर्ड खंगालने शुरू कर दिए। रिकॉर्ड से सामने आया कि 8 मई की शाम को नीरज के फोन पर एक कॉल आया था, जिसे चंद सेकेंड के लिए रिसीव किया गया था। मोबाइल नेटवर्क टावर के रिकॉर्ड मिलने के बाद पुलिस का पहला शक, मारिया सुसाइराज पर गया, क्योंकि शिकायत से पहले तक नीरज का मोबाइल मारिया के ही पास था। पुलिस ने मारिया को शक हुए बिना उनके खिलाफ छानबीन शुरू कर दी। जब मारिया के कॉल रिकॉर्ड निकाले गए, तो नतीजे चौंका देने वाले थे। 8 मई-20 मई तक मारिया और उनके बॉयफ्रेंड जेरोम मैथ्यू के बीच 1 हजार कॉल हुए थे। ये कोई आम बात नहीं थी। कॉल रिकॉर्ड और जेरोम के उस रात मुंबई में ही होने से पुलिस का मारिया पर शक और पुख्ता हो गया। इस सिलसिले में मारिया और उनके बॉयफ्रेंड जेरोम मैथ्यू को पूछताछ के लिए बुलाया गया। मारिया ने बयान में वही कहानी बताई, जो उन्होंने पहले बताई थी, वहीं जेरोम ने कहा कि वो आर्मी ट्रेनिंग के सिलसिले में मुंबई आया हुआ था। पुलिस ने आर्मी सेंटर से जेरोम के बयान को कन्फर्म नहीं किया, हालांकि उन्होंने शक की बिना पर जांच जारी रखी।

गोल्डमैन पहनते हैं एक किलो से ज्यादा के गहने : उज्जैन के एक शख्स की सोने के गहनों को लेकर दीवानगी इस कदर है कि वह एक किलो से ज्यादा जेवर पहनते हैं। इसी शौक के कारण लोग उन्हें गोल्डमैन के नाम से जानते हैं। वे 36 से ज्यादा बार ब्लड डोनेट कर चुके हैं। वह ब्लड बैंक भी चलाते हैं।

बीजेपी विधायक बोले-तो बांग्लादेश जैसा भारत में होगा...

विजयवर्गीय ने कहा-खटमल, कब अकल आएगी

न्यूज क्राइम फाइल

बांग्लादेश के हालिया राजनीतिक घटनाक्रम को लेकर मध्यप्रदेश में भी बयानबाजी तेज हो गई है। कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने पड़ोसी देश के हालात की भारत से तुलना करने वाले नेताओं पर पलटवार किया है। उनका एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वो कह रहे हैं- खटमल, मच्छर ये बोलते हैं कि भारत में बांग्लादेश जैसे हालात हो जाएंगे। यहां शेर-शेरनियों बैठी हुई हैं। ये शेर-शेरनियों का देश है। खटमल और मच्छरों को कब अकल आएगी पता नहीं। हालांकि विजयवर्गीय ने किसी का नाम नहीं लिया। वे इंदौर में 14 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। जिसका वीडियो सामने आया है। बता दें कि 6 अगस्त को इंदौर में कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन के दौरान पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने कहा था- छह महीने पहले श्रीलंका की जनता प्रधानमंत्री के घर में घुसी। फिर बांग्लादेश में यही हुआ। अब भारत का नंबर है। बांग्लादेश की जनता शेख हसीना की गलत नीतियों की वजह से प्रधानमंत्री आवास में घुस गई। राष्ट्रपति भवन में घुस गई। याद रखना नरेंद्र मोदी जो जनता सड़क पर हिलोरें ले रही हैं, एक दिन तुम्हारी गलत नीतियों के कारण तुम्हारे प्रधानमंत्री आवास में घुस जाएगी और कब्जा कर लेगी।

'जिसने मरना नहीं सीखा, वो देश की सुरक्षा नहीं कर सकता'

बीजेपी विधायक ने आगे कहा, 'आप भी विचार करो। ऐसे लोगों का पालन-पोषण नहीं करना, जो फूंक मारने से हिल जाएं। हम चाहते हैं कि हमारा बेटा डॉक्टर बन जाए, इंजीनियर बन जाए, कलेक्टर बन जाए। कोई नहीं चाहता कि बेटा भगत सिंह बने, चंद्रशेखर आजाद बने। ऐसे में देश की सुरक्षा कैसे होगी। जिसने मरना नहीं सीखा, वो देश की सुरक्षा नहीं कर सकता। व्यक्तिगत प्रॉपर्टी बढ़ा लेगा वो। ये जितने भी आए हैं न (विभाजन के दौरान पाकिस्तान और सिंध से आए लोगों की तरफ इशारा करते हुए) ऐसे ही भागेंगे। फैक्ट्री वाले, बैंक बैलेंस वाले। हमें सुरक्षा का भाव पैदा करना होगा। यह आ गया, तो देश में न उपद्रव होगा और न देश टूटेगा।'

'सदन में लुच्चे लोग बैठे हैं, इनकी सदस्यता खत्म करो'

पन्ना लाल शाक्य ने कहा, 'अभी संसद चल रही थी न, दो सदस्यों ने खराब बात कही। वो खराब बात राजा के सामने हिम्मत नहीं होती, लेकिन उनकी हिम्मत हो गई। तो ये टेस्ट कर लो, समझ लो कि क्या चल रहा है। क्या होने वाला है। नरेंद्र मोदी के आभारी हैं, जिन्होंने स्मृति दिवस मनाने के लिए प्रेरित किया। मोबाइल से उन्हें वॉट्सऐप तो भेज दो कि आपके ये सदन में कैसे लोग बैठे हैं लुच्चे। इनकी सदस्यता खत्म करो आज ही। भेजा क्या किसी ने, बताओ। हम अपने आप को कहेंगे कि बड़े देशभक्त हैं। काहे के देशभक्त हो, हमें चिंता ही नहीं है। इस बात में देश भक्त हैं, कि पड़ोसी की एक इंच या एक फीट जमीन भी दबा रखी है, तो सुप्रीम कोर्ट तक लड़ते जाएंगे, पेशी पर पेशी करेंगे। ये हमारी देशभक्ति है। जब देशभक्त ही नहीं तो देश बचेगा कैसे।'

अब बीजेपी विधायक दिया सज्जन सिंह जैसा बयान

इधर, गुना से बीजेपी विधायक पन्ना लाल शाक्य का एक वीडियो सामने आया है। जिसमें वो कह रहे हैं - आज जो बांग्लादेश में हुआ है। कोई कह नहीं सकता कि मध्यप्रदेश या हिंदुस्तान में नहीं होगा, बिल्कुल होगा। हमें सुरक्षा के बारे में सोचना पड़ेगा। हमारी देशभक्ति, केवल पड़ोसी से जमीन की लड़ाई की है। उसकी एक इंच जमीन पर कब्जा करने के लिए सुप्रीम कोर्ट तक लड़ते हैं। सदन में लुच्चे बैठे हैं। इनकी सदस्यता खत्म की जानी चाहिए।'

सज्जन वर्मा का पलटवार- मैंने सोचा शायद सुधर गए होंगे

विजयवर्गीय के बयान पर पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा- हम समकक्ष है। कोरोना काल के बाद हम लोग बोनस, ब्याज का जीवन जी रहे हैं। फिर राजा साहब हो, सज्जन सिंह हो या कैलाश विजयवर्गीय हो। मैंने सोचा सुधर गए होंगे। सांवेर की सभा में दिग्विजय सिंह और कमलनाथ को चुन्नू-मुन्नू कहा था। तब मैंने कहा था कि रावण जैसी नाक होती जा रही है। मेरा यह कहना है कि कैलाशजी मेरे पुराने मित्र भी है। क्यों बुढापे में मक्खी, मच्छर करते हो। क्रांतिवीर पिक्चर नहीं देखी शायद। नाना पाटेकर ने कहा था कि एक मच्छर आदमी कोज अब यह आप जानो। मुझे डायलॉग याद था तो बता दिया। थोड़े दिन पहले मंत्री बने तो लोगों ने बड़ा जुलूस निकाला। टाइगर वापस आ गया है। मैंने कहा कि भगवान ने उन्हें मनुष्य योनि में जन्म दिया है, क्यों पशु योनि में जा रहे हो।

शाक्य बोले- सुरक्षा के बारे में ध्यान रखना जरूरी

विधायक शाक्य ने कहा, 'कृष्ण रथ पर बैठे रहे। बिना हथियार के उन्होंने राक्षसों को मरवा दिया। सब दुश्मनों को मरवा दिया। ये विचार अगर हम रख सकते हैं, तो फिर अच्छी व्यवस्था हो जाएगी। आज की जो परिस्थिति है, उसका ध्यान रखना जरूरी है। उन्होंने कहा कि 'रामायण में कुछ पात्र थे- सोमाली, माल्यबल और बाली। कैकेई और दशरथ का दानवों से युद्ध हुआ। बाली मारा गया। माल्यबल ने सरेंडर कर दिया। सोमाली भाग गया। वह अफ्रीका के साथ लगे देश सोमालिया में बस गया। आज उसकी संतति (वंशज, संतान) समुद्री लुटेरे के रूप में तब्दील हो गई है। जब वो भाग कर गया तो कैकेई ने कहा कि सोमाली तुम अगर भाग गए हो, तो बचोगे नहीं। मैं ऐसी संतान पैदा करूंगी कि इस भू-मंडल से समूचे राक्षसों का नाश हो जाए।

सीएम ने की अखंड भारत की बात

शुक्रवार को भोपाल में हिन्दी भाषा महोत्सव कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम डॉ. मोहन यादव ने अखंड भारत बनने की बात कही। उन्होंने कहा- अखंड भारत का दृश्य अपने आप अपनी आंखों के सामने आएगा। आज नहीं तो कल... यह बात मान कर चलिए। मुझे दायित्व ऐसा है कि मुझे बोलने में कठिनाई है अन्यथा यह ज्यादा दिन तक अलग-अलग दिखेंगे। यह भारत एक ही दिखेगा। कोई इससे अलग नहीं हो सकता।

सोयाबीन की चोरी करने वाले तीन चोर गिरफ्तारः खुरई देहात थाना क्षेत्र के गढ़ौला जागीर गांव में कुछ दिन पहले हुई चोरी का पुलिस ने खुलासा किया है। चोरी के मामले में पुलिस ने गांव के ही तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार रामस्वरूप निवासी गढ़ौला जागीर की गांव में किराने की दुकान है।

जम्मू-कश्मीर में 18 सितंबर से वोटिंग, 4 अक्टूबर को रिजल्ट

संदीप कुमार सिंह

चुनाव आयोग ने शुक्रवार (16 अगस्त) को जम्मू-कश्मीर और हरियाणा में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान किया। जम्मू-कश्मीर की 90 विधानसभा सीटों पर 3 फेज में 18 सितंबर, 25 सितंबर और 1 अक्टूबर को वोट डाले जाएंगे। हरियाणा की सभी 90 सीटों पर सिंगल फेज में 1 अक्टूबर को वोटिंग होगी। दोनों राज्यों के नतीजे 4 अक्टूबर को आएंगे। जम्मू-कश्मीर में 10 साल बाद विधानसभा चुनाव होंगे। अनुच्छेद 370 हटने के बाद ये पहला विधानसभा चुनाव होगा। राजीव कुमार बोले- महाराष्ट्र में त्योहार की वजह से चुनाव बाद में होंगे। उन्होंने झारखंड का जिक्र नहीं किया। हरियाणा सरकार का कार्यकाल 3 नवंबर, महाराष्ट्र का 26 नवंबर और झारखंड का 5 जनवरी को खत्म हो रहा है।

चीफ इलेक्शन कमिश्नर बोले- श्री जेंटलमेन आर बैक... 4 बातें

1. चीफ इलेक्शन कमिश्नर राजीव कुमार ने कहा, श्री जेंटलमेन आर बैक। लोकसभा चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुए। देशभर ने चुनाव का पर्व मनाया। लंबी कतारें दिखीं, बुजुर्ग, यूथ वोट डालने गए। लोकतंत्र का जीवित उदाहरण देश ने देखा।

2. जो तस्वीर भारत ने दुनिया को दिखाई, वो चकित करने वाली थीं। जो चमक हमने देखी, वो बहुत दिन तक दिखाई देगी। जब भी कहीं दुनिया में चुनाव होंगे, आपको अपने देश की याद आएगी और हमारी ताकत की याद दिलाती रहेगी। जम्मू-कश्मीर में हमने जिनसे, राजनीतिक दलों से बात की, सबका मत था कि जल्द से जल्द चुनाव हों।

3. आपको याद है कि मतदान केंद्र पर जो लंबी कतारें लगी थीं, वो जम्हूरियत की ताकत थी। उम्मीद और जम्हूरियत की झलक बताती है कि अवाम अपनी तकदीर खुद बदलना चाहते हैं। लोग चाहते हैं कि खुद देश का भविष्य बदलने का हिस्सा बने।

4. देशभर की 46 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव समय आने पर घोषित किए जाएंगे। वायनाड सीट पर प्राकृतिक आपदा के कारण अभी उपचुनाव नहीं हो सकता। वहां मतदान समय पर होगा।

नई सरकार का कार्यकाल 6 साल की जगह 5 साल का होगा

सुप्रीम कोर्ट ने 30 सितंबर 2024 तक जम्मू कश्मीर में चुनाव कराने का आदेश दिया था। राज्य से अनुच्छेद 370 हटने के बाद ये पहला विधानसभा चुनाव होगा। केंद्र सरकार ने 5 अगस्त 2019 को आर्टिकल 370 हटाया था। इसके बाद से यहां LG मनोज सिन्हा प्रशासक हैं। चुनाव के बाद नई सरकार का कार्यकाल 6 साल की जगह 5 साल का होगा।

कश्मीरी नेता बोले, आज बहुत खुशी का दिन

जम्मू-कश्मीर कांग्रेस नेता गुलाम अहमद मीर- आज बहुत खुशी का दिन है। देर से आए, लेकिन दुरुस्त आए। केंद्र सरकार, गृह मंत्रालय संसद में एक बयान देता था, बाहर दूसरा। जम्मू-कश्मीर के लोग यहां अपनी सरकार की मांग कर रहे थे, ताकि वे अपने नुमाइंदों को चुन सकें। चुनाव कराने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने भी डायरेक्शन दिया था। नेशनल कॉन्फ्रेंस प्रमुख, उमर अब्दुल्ला ने कहा, जम्मू-कश्मीर प्रशासन को फेरबदल का आदेश देने के लिए अधिकारियों को स्वतंत्रता दिवस पर बुलाना पड़ा। मुझे लगता है कि उन्हें बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि चुनाव आयोग चुनाव की तारीखों की घोषणा करेगा।

बच्चों के झगड़े में उदयपुर सुलगा, इंटरनेट बंद

न्यूज क्राइम फाइल

राजस्थान के उदयपुर में शुक्रवार (16 अगस्त) को सरकारी स्कूल के दो स्टूडेंट के झगड़े के कारण तनाव हो गया। लोगों ने शॉपिंग मॉल में तोड़फोड़ की और पथराव किया। एक गैरेज में खड़ी कारों को आग भी लगा दी। शाम 7 बजे के बाद पुलिस ने लाठीचार्ज कर प्रदर्शनकारियों को खदेड़ा। इसके बाद कलेक्टर ने शहर में धारा-163 लागू कर दी। संभागीय आयुक्त ने रात 10 बजे से आगामी 24 घंटे तक नेटबंदी का आदेश जारी किया है। शांति बहाली की प्रशासन की कई कोशिशों के बावजूद देर शाम को दो पक्षों के बीच पथराव हो गया। इसके बाद पुलिस ने वहां मौजूद सभी लोगों को खदेड़ दिया। शहर में अभी भी हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं, रात 8 बजे के बाद किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं है। घटना सूरजपोल थाना क्षेत्र में सुबह 10:30 बजे हुई। यहां राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल भट्टियानी चौहट्टा में एक स्टूडेंट ने दूसरे छात्र को चाकू से हमला कर घायल कर दिया। इसके बाद नाबालिग आरोपी फरार हो गया। स्कूल के टीचर घायल स्टूडेंट को महाराणा भूपाल (एमबी) हॉस्पिटल लेकर पहुंचे, जहां उसका इलाज चल रहा है। घटना में शामिल दोनों स्टूडेंट अलग-अलग धर्म के हैं। मामले का पता चलते ही हिंदू संगठनों ने शहर के चेतक सर्किल, हाथीपोल, अश्विनी बाजार, बापू बाजार और घंटाघर एरिया में दुकानें बंद करवा दीं। इसके बाद भीड़ हिंसक हो गई। कलेक्टर अरविंद पोसवाल ने बताया- नाबालिग छात्र को हिरासत में लेकर उसके पिता को गिरफ्तार किया गया है। एहतियातन पुलिस तैनात है।

प्रिंसिपल बोलीं- दोनों पढ़ाई में अच्छे, झगड़ते नहीं देखा

प्रिंसिपल ईशा धर्मावत ने बताया- लंच के करीब 5 से 7 मिनट बाद अचानक स्कूल के बाहर से कुछ छात्र चिल्लाते हुए दौड़कर अंदर आए। मैंने तुरंत बाहर जाकर देखा तो हैरान रह गई। स्टूडेंट घायल अवस्था में था। मेरी स्कूटी पर बैठाकर स्टाफ ने उसे तुरंत हॉस्पिटल पहुंचाया। दोनों छात्र पढ़ाई में अच्छे हैं। इससे पहले दोनों को स्कूल में कभी झगड़ते हुए नहीं देखा, न ही सुना। इस तरह की घटना ने हमें भी चौंका दिया।

आरोपी और पीड़ित एक ही क्लास के स्टूडेंट

जिला शिक्षा अधिकारी लोकेश भारती ने बताया- दोनों नाबालिग की उम्र करीब 15 साल है। दोनों एक ही क्लास में पढ़ते हैं। दोनों के बीच पहले क्या विवाद हुआ, इसके बारे में जानकारी नहीं है। जब लंच हुआ तो दोनों के बीच स्कूल के बाहर झगड़ा हुआ। इस झगड़े में एक स्टूडेंट ने दूसरे की जांघ में चाकू से दो-तीन वार कर घायल कर दिया। घायल स्टूडेंट चिल्लाने लगा तो टीचर दौड़कर बाहर आए। बच्चे के परिजन को जब घटना की जानकारी मिली तो वे एमबी अस्पताल पहुंचे। यही नहीं, हिंदू संगठनों के लोगों ने हॉस्पिटल पहुंचकर नारेबाजी की और घटना को लेकर आक्रोश जताया। हॉस्पिटल में पुलिस का जाब्ता तैनात किया गया है। उदयपुर एएसपी सिटी उमेश ओझा ने बताया कि शहर के लगभग सभी इलाकों में पुलिस बल तैनात है। इसमें शहर के करीब 15 थानों का जाब्ता लगाया है। पुलिस लाइन से भी अतिरिक्त फोर्स तैनात किया गया है। सभी पुलिस अफसर फील्ड में रहकर हर गतिविधि पर नजर बनाए हुए हैं।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक उदय प्रताप सिंह चौहान द्वारा कविता ऑफसेट प्रिंटर्स, एमपी नगर जोन -1 भोपाल (म. प्र.) से मुद्रित एवं 1209 पुष्पा नगर चांदबड़, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- उदय प्रताप सिंह चौहान, मो.7223003441 (प्रति सोमवार को प्रकाशित) समाचारों से संपादक का सहमत होना जरूरी नहीं। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।) RNI.NO MPHIN/2015/63623